केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 331 शुक्रवार 26 जून 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

मुख्यमंत्री योगी ने किया 475 करोड़ रुपये की 139 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यासः कांग्रेस, सपा पर साधा निशाना

संवाददाता– संतकबीर नगर

। मध्यमंत्री योगीआदित्यनाथ गुरुवार को संत कबीर नगर पहुंचे। उन्होने मंच से कांग्रेस पर और सपा को आड़े हाथ लिया। सीएम ने कहा– 25 जून, 1975 को इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लगाया था। लोकतंत्र की हत्या की थी। अटल बिहारी वाजपेयी, लाल कृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, मुलायम सिंह यादव जैसे नेताओं को जेल में डाल दिया था। आज राहुल गांधी और अखिलेश यादव किस मुंह से लोगों के बीच जाते हैं। ये लोग 2024 में संविधान की प्रति लेकर घूमते थे। जबकि संविधान की हत्या का काम भी इन्हीं लोगों ने किया था।

सीएम योगी संतकबीर नगर के धनघटा में कुआनो नदी के पास स्थित बंसवारी गांव के प्राचीन बैजूनाथ धाम में जनसभा को संबोधित किया। साथ ही संतकबीर नगर की धनघटा और गोरखपुर जिले की खजनी विधानसभा क्षेत्र के लिए कुल 475 करोड़ रुपये की 139 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

इनमें संतकबीर नगर जिले की 54.42 करोड़ रुपये की 17 परियोजनाओं का लोकार्पण, जबकि 170.37 करोड़ रुपये की 48 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और खजनी विधानसभा के लिए 67 करोड़ की 10 विकास योजनाओं का लोकार्पण और 183 करोड़ की 64 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है।

योगी ने कहा– सपा कांग्रेस की सरकारों में लोगों के आने जाने पर रोक लगा दी जाती थी। मतदान करने पर भी रोक लगा दी जाती थी। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के संविधान को अपमानित करने का काम किया जाता था।

आपातकाल लगाकर देश के नेताओं को जेल में डालने का काम किया था, क्योंकि इन नेताओं ने लोकतंत्र की बकालत की थी। आप लोगों को याद हो होगा कि 2024 के चुनाव में संविधान की प्रति लेकर सपा और कांग्रेस के लोग लोगों को गुमराह कर रहे थे।

लेकिन गांव, गरीब, किसान ,महिला, पुरुष, युवा, बुजुर्ग सबको सम्मान देने का कार्य डबल इंजन की सरकार भारतीय जनता पार्टी ने किया है। आज गरीब को उनकी छत देने का काम डाबल इंजन सरकार ने किया है।

योगी ने कहा– जब अच्छी सरकारी आती हैं और अच्छी जनप्रतिनिधि आते हैं तो काम होता है। जब बेईमानों और भ्रष्टाचारियों की सरकार आती है वे जनता के हक में डाका डालते हैं। गरीबों–पिछड़ों का हक छीनते हैं। किसानों को आत्महत्या करने के लिए मजबूर करते हैं और बेटी की सुरक्षा में सेंध लगाते हैं। उत्तर प्रदेश पहले पहचान के लिए मोहताज था। आज भारत की ऊंची अर्थव्यस्था का ग्रोथ इंजन माना जाता है।

कभी सबसे पिछड़ा माने जाने वाला खजनी विधानसभा क्षेत्र आज पूर्वांचल एक्सप्रेसवे जुड़कर लखनऊ से जुड़ रहा है। लखनऊ से लेकर गोरखपुर पूर्वांचल एक्सप्रेस से जो जाता होगा उसे खजनी और धनघटा दोनों विधानसभा दिखती होंगी।

संत कबीर नगर में कबीर दास जी आए थे। इसी जिले को पहले माना जाता था कि मगहर में मरना पाप होता है लेकिन आज मगहर में ऑडिटोरियम और एकेडमी हैं। जैसे ही आमी नदी पार करेंगे तो गोरखपुर का औद्योगिक क्षेत्र शुरू हो जाता है जिसमें मगहर के लोगों को वहां पर रोजगार मिल रहे हैं।

योगी ने आगे कहा– मेंहदावल विधानसभा में पक्षी विहार ईको टूरिज्म और रामसर साइट के रूप में विकास को विकसित कर रहे हैं। जहां उच्च शिक्षा के संस्थान नहीं थे वहां खोले जा रहे हैं। जहां डिग्री कॉलेज नहीं थी, वहां बड़े डिग्री कॉलेज खोले जा रहे हैं। जहां पॉलिटेक्निक नहीं थे, आईटीआई नहीं थे वहां बड़े बड़े संस्थान खोलकर छात्रों को तकनीकी शिक्षा से भी जोड़ा जा रहा है। कहीं अटल आवासीय विद्यालय बनाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री विद्यालय खोला जा रहा है।

योगी ने कहा– बेलघाट के लोगों को लखनऊ जाने के लिए खलीलाबाद, सहजनवा, गोरखपुर जाने की जरूरत नहीं है। वे सीधे पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के साथ 2 घंटे में लखनऊ पहुंच जाएंगे।

भाजपा की नई टीम में 60 प्रतिशत नये चेहरे

लखनऊ (आभा)। यूपी में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने जीत की हैट्रिक लगाने के लिए सियासी बिसात बिछा दी है। लंबे इंतजार के बाद आखिरकार गुरुवार को प्रदेश भाजपा की नई टीम घोषित हो गई। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी की टीम का आकार बढ़ाया गया है। प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रदेश महामंत्री और प्रदेश मंत्री के कुल छह पद बढ़ गए हैं। वहीं नई टीम में 60 फीसदी नये चेहरों को शामिल करने के साथ कई दिग्गजों को बाहर किया गया है। सामाजिक समीकरण साधने के साथ ही आधी आबादी की भागीदारी भी बढ़ाई गई है।

टीम में सर्वाधिक हिस्सेदारी ओबीसी को मिली है। प्रदेश की नई टीम में आधी आबादी का ध्यान रखते हुए उनकी संख्या 10 से बढ़ाकर 12 की गई है। वहीं 20 पिछड़े चेहरों को जगह दी गई है। सात ब्राह्मण और छह क्षत्रिय चेहरों को भी शामिल किया गया है। चार भूमिहार, छह दलित, दो वैश्य और एक कायस्थ को जगह दी गई है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के पुत्र पंकज सिंह के स्थान पर उनके दूसरे बेटे नीरज सिंह को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है। पार्टी ने छह क्षेत्रीय अध्यक्ष और मोर्चा अध्यक्ष भी घोषित कर दिए हैं।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी और महामंत्री संगठन को मिलाकर प्रदेश टीम में अब 48 पदाधिकारी होंगे। अभी कोषाध्यक्ष व सह कोषाध्यक्ष घोषित नहीं किए गए हैं। माना जा रहा है कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए यूपी भाजपा की टीम में पदाधिकारी बढ़ाए गए हैं। इस बार 17 की जगह 19 प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। वहीं प्रदेश महामंत्रियों की संख्या सात से बढ़ाकर आठ की गई है। प्रदेश मंत्री अब 16 की जगह 19 होंगे।

शक्तिशाली भूकम्प से दहला वेनेजुएलाः लाखों के मौत की आशंका

कारागास)आभा)। लैटिन अमेरिकी देश वेनेजुएला एक मुश्किल दौर से गुजर रहा है। एक के बाद एक आए दो विनाशकारी भूकंपों ने पूरे देश को दहला दिया है। इसे हादसे को वैज्ञानिक 'डबल सिस्मिक इवेंट' कह रहे हैं। पहला झटका 7. 1 और इसके ठीक एक मिनट बाद 7.5 तीव्रता का महाभूकंप आया। वेनेजुएला के इतिहास में पिछले 126 वर्षों का यह सबसे शक्तिशाली और भीषण भूकंप है जिसने काराकास सहित कई बड़े शहरों में तबाही के खौफनाक मंजर पैदा कर दिए हैं। काराकास वेनेजुएला की राजधानी है।

अमेरिकी जांच एजेंसी ने आशंका जताई है कि इस भीषण आपदा में 10,000 से लेकर 1 लाख तक लोग अपनी जान गंवा सकते हैं। इसकी वजह से वेनेजुएला ने 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया गया है। राजधानी काराकास की चकाओ और अल्तामिरा जैसे रिहायशी इलाकों में कई बहुमंजिला इमारतें ताश के पत्तों की तरह जमींदोज हो चुकी हैं। देश का सबसे बड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने के बाद बंद कर दिया गया है।

पूरे देश में स्कूल–कॉलेज बंद कर दिए गए हैं और सेना मलबे में दबी जिंदगियों को बचाने के लिए युद्ध स्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही है।

वेनेजुएला के वेनाशकारी भूकंप के बाद लगातार राहत एवं बचाव का काम जारी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक हजारों लोग अभी भी लापता हैं, जिनके लिए राहत और बचाव का काम चल रहा है। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

वेनेजुएला में आए इस विनाशकारी भूकंप में हजारों लोगों के मारे जाने की आशंका बनी हुई है। अभी तक सामने आई जानकारी के मुताबिक 164 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 971 घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। देश इस समय पर अपने इतिहास के सबसे भयानक संघर्ष का सामना कर रहा है। भूकंप की वजह से सड़कें इमारतें पूरी तरह से बर्बाद हो चुकी हैं। कई देश मदद के लिए आगे आए हैं। कई देशों ने राहत सहायता की पेशकश की– अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि उनका देश तत्काल खोज एवं बचाव दल, चिकित्सा संसाधन और मानवीय सहायता वेनेजुएला के लिए भेज रहा है। कई देशों.. अर्जेंटीना, ब्राजील, चिली, मैक्सिको, इक्वाडोर, बोलीविया और अन्य ने भी वेनेजुएला को सहायता देने की पेशकश की है। रॉड्रिगेज ने बताया कि कतर से बचाव दल पहले ही रवाना हो चुके हैं, जबकि मैक्सिको और अल साल्वाडोर से भी टीमें पहुंचने वाली हैं। वेनेजुएला के इस इलाके में लगभग हर इमारत ढह गई– वेनेजुएला में आए भूकंप के बाद ला गुआइरा की मुख्य सड़कों में से एक का फुटेज। लगभग हर इमारत ढह गई। भूकंप की तबाही देखते हुए वेनेजुएला के शिक्षा मंत्रालय ने पूरे देश में शिक्षण संस्थानों को अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया है। सरकार ने आदेश जारी किया है कि कई बड़े स्कूलों और सरकारी इमारतों को तुरंत राहत शिविरों में बदल दिया जाए। इन केंद्रों पर बेघर हुए प्रभावितों के लिए भोजन, दवाइयां और मानवीय सहायता इकट्ठा की जाएगी।

नगर पंचायत गणेशपुर का औचक निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मुख्य राजस्व अधिकारी/प्रभारी अधिकारी नगर निकाय कीर्ति प्रकाश भारती द्वारा गुरुवार को नगर पंचायत गणेशपुर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान नगर क्षेत्र में साफ–सफाई, जनसुविधाओं एवं विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के समय संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए।

खाद्य पदार्थो में मिलावट रोकने का निर्देश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कलेक्ट्रेट सभागार में गुरुवार को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्राविधानों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा अनुश्रवण विनियमों को त्वरित गति से लागू करने के उद्देश्य से जिला स्तरीय समिति की त्रैमासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य राजस्व अधिकारी कीर्ति प्रकाश भारती ने की।

बैठक में जनपद में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्य राजस्व अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आमजन को सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण एवं मानक खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए खाद्य कारोबार संचालकों के पंजीकरण एवं लाइसेंसिंग की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाया जाए तथा खाद्य सुरक्षा मानकों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने के लिए नियमित निरीक्षण एवं सघन प्रवर्तन कार्यवाही करने के निर्देश दिए। साथ ही त्योहारों एवं विशेष अवसरों के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच हेतु विशेष अभियान चलाने पर बल दिया। मुख्य राजस्व अधिकारी ने कहा कि खाद्य सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना भी उतना ही आवश्यक है, जितना कि प्रवर्तन कार्यवाही। इसके लिए विद्यालयों, महाविद्यालयों, बाजारों तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मिले सपा नेता अमित गोंड

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। समाजवादी अनुसूचित जन जाति प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष अमित गोंड ने लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से भेंट कर उन्हें महारानी वीरांगना दुर्गावती का चित्र भेंट किया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से अमित गोंड ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से संक्षेप में जनपद के राजनीतिक, सामाजिक स्थिति पर चर्चा हुई। उन्हें गोंड समाज की समस्याओं से भी अवगत कराया कि शासनादेश के बावजूद गोंड समाज के लोगों का जाति प्रमाण–पत्र नही बन पा रहा है। अमित गोंड ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उनका हौसला बढाया। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात के दौरान अमित गोंड़ के साथ दीपचंद गोंड, शुभम गोंड, नीरज गोंड, हनुमान गोंड,शालिराम गोंड,अभिषेक गोंड, मोनू गोंड जय ,संतोष, अजय आदि शामिल रहे।

मंदिर, स्कूल के निकट शराब की दूकान न खोलने की मांगः डीएम को सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कोतवाली थाना क्षेत्र के श्रीकृष्णा पाण्डेय गर्ल्स स्कूल के निकट मंदिर, पशुचिकित्सालय के सामने शराब की दूकान न खोले जाने की मांग को लेकर क्षेत्रीय नागरिकों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया। संजय सिंह ने ज्ञापन देने के बाद बताया कि मंदिर, पशुचिकित्सालय के सामने शराब की दूकान खोले जाने की तैयारी चल रही है। इस स्थान के निकट ही श्रीकृष्णा पाण्डेय गर्ल्स स्कूल भी है। ऐसी स्थिति में यहां शराब की दूकान का खोला जाना व्यापक जनहित में उचित नही है। शराब की दूकान को यहां न खोलने दिया जाय।

ज्ञापन देने के दौरान राधेश्याम, सूरज, साबिर अली, महेन्द्र सोनकर, मुन्ना जायसवाल, विनोद कुमार के साथ ही अनेक नागरिक शामिल रहे।

जिला योजना अधिकारी पद पर चयनित प्रभात सिंह को व्यापारी समाज ने सम्मानित किया

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भानपुर तहसील क्षेत्र के बडोखर गांव निवासी प्रभात सिंह के बिहार पब्लिक सर्विस कमीशन की परीक्षा में पहले प्रयास मे जिला योजना अधिकारी/सहायक निदेशक योजना एंव विकास विभाग मे चयनित होने पर व्यापार मंडल अध्यक्ष सुरेश गुप्ता के नेतृत्व मे व्यापारियों ने गुरुवार को उनके घर पहुंचकर उन्हें स्मृति चिन्ह और अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। सुरेश गुप्ता ने कहा कि प्रभात सिंह ने अपनी सफलता से पूरे क्षेत्र का सम्मान बढाया है जिससे ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को आगे बढने की प्रेरणा मिलेगी। प्रभात सिंह ब्लाक प्रमुख रामनगर व पूर्व मे भाजपा के जिला अध्यक्ष रहे यशकांत सिंह के सबसे छोटे पुत्र है। उनके परबाबा जयदत्त सिंह डुमरियागंज विधानसभा के पूर्व विधायक रहे है।परिवार की राजनीतिक और समाजसेवा की पृष्ठभूमि रही है।प्रभात ने उसको और आगे बढ़ाते हुए प्रशासनिक सेवा में भी अपना झंडा गाड़ा है,इस मौके पर व्यापार मंडल के सरंक्षक राधेश्याम अग्रहरि,कोषाध्यक्ष भागवंत गुप्ता,महामंत्री सुभाष सोनी के साथ वरिष्ठ भाजपा नेता ओम प्रकाश पाण्डेय, सुरेश पाण्डेय ,अनिल पाण्डेय ,करुणाकर पांडेय ,वीर श्रीवास्तव,मोनू पाण्डेय सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

नशे में धुत शराबियों ने बेटों को मारा पीटाः मां ने डीआईजी, एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर थाना क्षेत्र के कोटवा भरतपुर निवासी मीरा देवी ने डीआईजी और पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता का कहना है कि मारपीट और जानलेवा हमले की घटना को कई दिन बीत जाने के बावजूद आरोपियों के खिलाफ अभी तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है। उल्टे आरोपी लगातार उन्हें और उनके परिवार को दोबारा जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। मीरा देवी के बेटे अमर और मदन का कसूर सिर्फ इतना था कि उन्होने नशे में सड़क पर धुत पड़े कुसरौत निवासी अभय उर्फ छोटू आदि को रास्ते से हटाने की कोशिश किया जो शराबियों को अच्छा नहीं लगा। दबंगों ने अमर और मदन को बुरी तरह से मारा पीटा और सोने की अगूंठी भी छीन लिया।

पीड़िता मीरा देवी पत्नी स्वर्गीय तपेश्वरी ने प्रार्थना पत्र में कहा है कि गत 17 जून को नेउरीगाडा कुसरौत निवासी अभय उर्फ छोटू पुत्र रामजग, विजय पुत्र बलराम, अमित पुत्र विष्णु, विष्णु पुत्र राम दुलारे, कृष्णा पुत्र राम नरायन, अमर पुत्र शत्रुघ्न आदि ने रजिशन उनके पुत्र अमर को बंधक बनाकर मारा पीटा। दबंगों की पिटाई से घायल भाई मदन ने घटना की जानकारी परिवार वालों को दिया। इसके बाद घटना की सूचना तत्काल पुलिस को 112 पर दिया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी लिया और गंभीर रूप से घायल अमर और मदन को एम्बुलेंस से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मरवटिया ले जाया गया। नगर थाने की पुलिस ने न तो मेडिकल कराया न दोषियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया। दोनों पक्षों का शांति भंग में चालान कर चुप्पी साध लिया। पुलिस ने मामले में केवल औपचारिक कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपियों के विरुद्ध कोई कठोर कदम नहीं उठाया।

पीड़िता का आरोप है कि घटना के बाद से आरोपी पक्ष लगातार समझौते का दबाव बना रहा है और विरोध करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दे रहा है। उन्होंने कहा कि कई बार थाना पुलिस से शिकायत करने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हुई, जिससे परिवार भय और असुरक्षा के माहौल में जीने को मजबूर है। मीरा देवी ने डीआईजी और पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराकर आरोपियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए तथा उनके परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते उचित कार्रवाई नहीं हुई तो कोई बड़ी अप्रिय घटना घट सकती है, जिसकी जिम्मेदारी संबंधित आरोपियों के साथ–साथ प्रशासन की भी होगी। शीघ्र न्याय न मिला तो मुख्यमंत्री से न्याय की गुहार लगाया जायेगा।

आम लोगों को न्याय दिलाने, सेवा भावना के लिये विधि व्यवसाय का चयन करें छात्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जनपद न्यायाधीश शमसुल हक ने विधि के छात्रों का आवाह्न किया है कि वह आम लोगों को न्याय दिलाने के लिये सेवा भावना के लिये विधि व्यवसाय का चयन करें। उन्होंने विधि के छात्रों से यह भी कहा कि विधि व्यवसाय अथवा न्यायिक अधिकारी के लिये निरन्तर अध्ययन एवं समयबद्धता, कठिन परिश्रम से ही इस क्षेत्र में सफलता व प्रतिष्ठा हासिल कर सकते हैं।

उन्होंने छात्रों से कहा कि वह भविष्य की चुनौतियों को देखते हुये अपने कैरियर का चयन अपनी क्षमता एवं सही दिशा तथा समयबद्धता व शालीनता को स्वीकार करें। उन्होंने अपने अनुभव को साझा करते हुये कहा कि वह शुरुवाती दिनों में उन्होंने भी वकील के रूप में दिल्ली में कार्य शुरू किया था। न्यायिक सेवा में आने के बाद यह अनुभव किया कि एक अधिवक्ता के लिये व्यवसायिक दक्षता के साथ संवाद की कुशलता के साथ त्वरित निर्णय लेने की क्षमता भी होनी चाहिये। वे उ.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ

निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बस्ती के तत्वाधान में ग्रीष्मकालीन इन्टर्नशीप कार्यक्रम के समापन के अवसर पर प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरित किये जाने के आयोजित समारोह को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरित किया। इस अवसर पर अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, प्रथम कमलेश कुमार ने प्रतिभागियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुये उन्हें इस क्षेत्र में आने के लिये कठिन परिश्रम एवं लगन, ईमानदारी, निष्ठा का आवाह्न किया।

विशेष न्यायाधीश (एस.सी./एस.टी.) राम करन यादव ने विधि के छात्रों का उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामना करते हुये उन्हें बधाई दिया। विशेष न्यायाधीश आवश्यक वस्तु अधिनियम प्रमोद कुमार गिरि ने विधि के छात्रों का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण के लिये उनके उज्जवल भविष्य की कामना किया।

इस अवसर पर प्रतिभागी डी. एम.एस.एस.पी. लॉ कॉलेज की छात्रा प्रियांशी सिंह, गोरखपुर विश्व विद्यालय की छात्रा श्रेया श्रीवास्तव, ए.पी.एन. पी.जी कॉलेज की मोहन्ती गुप्ता एवं मोहम्मद मुमताज सहित अन्य प्रतिभागियों ने भी अपने विचार व्यक्त किया। इस अवसर पर माननीय जनपद न्यायाधीश ने 146 प्रतिभागी छात्रों को प्रमाण पत्र वितरित किया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव देवेन्द्र कुमार–प्रथम ने माननीय जनपद न्यायाधीश का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने इस प्रशिक्षण के मार्गदर्शन के लिये जनपद न्यायाधीश का आभार व्यक्त किया। उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान न्यायिक अधिकारियों, जेल अधीक्षक, प्रभारी महिला थाना सहित अन्य संस्थाओं का भी सहयोग के लिये धन्यवाद किया। उन्होंने परा‌विधिक स्वयं सेवकों व लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल सिस्टम के प्राधिकारियों के सहयोग के लिये आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन कौशल किशोर श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर न्यायिक अधिकारियों के अलावा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 26 जून 2026 शुक्रवार

सम्पादकीय

कब सार्वजनिक होगी एसआईटी रिपोर्ट.?

हिंदू समाज में मंदिर आस्था के केंद्र होते हैं, वहां लोग मानसिक शांति और सुख—समृद्धि की कामना करते हैं। साथ ही वहां स्वेच्छा से धन या अन्य सामग्री दान करते हैं, ताकि उसका इस्तेमाल धार्मिक कार्यों में किया जा सके। श्रद्धालु इस विश्वास के साथ मंदिर में दान करते हैं कि इस राशि को खर्च करते वक्त पूरी पारदर्शिता बरती जाएगी। मगर इस दान राशि में ही अगर हेरफेर होने लगे, तो इसे लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ नहीं, तो और क्या कहा जाएगा।मसला जब अयोध्या में राम मंदिर से जुड़ा हो, तो मामला और भी संवेदनशील एवं गंभीर हो जाता है। राज्य सरकार ने इस मामले की जांच के लिए विशेष दल (एसआइटी) गठित किया है, जिसने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट मुख्य सचिव (गृह) को सौंप दी है।

खबरों के मुताबिक, रिपोर्ट में दान राशि और कीमती सामान के प्रबंधन में कमियों का जिक्र करते हुए प्राथमिकी दर्ज करने की सिफारिश की गई है। इससे स्पष्ट है कि मंदिर के वित्तीय मामले में कुछ तो हेरफेर हुआ है, जिसकी गहन जांच की जरूरत है। गौरतलब है कि प्रदेश सरकार ने राम मंदिर ट्रस्ट के वित्तीय प्रबंधन और दान राशि से संबंधित आरोपों की जांच के लिए 13 जून को तीन सदस्यीय विशेष जांच दल का गठन किया था। सरकार का दावा था कि एसआइटी की जांच में 'दूध का दूध और पानी का पानी' हो जाएगा। अब एसआइटी ने अपनी प्रारंभिक जांच रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है, मगर उसे सार्वजनिक नहीं किया गया है। जांच दल के अधिकारियों का कहना है कि यह गोपनीय रिपोर्ट है और इसे मीडिया से साझा नहीं किया जा सकता है। ऐसे में अब सरकार के दावों और उसकी मंशा पर भी सवाल उठने लगे हैं।

अगर जांच के दौरान मंदिर की दान राशि में किसी तरह की गड़बड़ी पाई गई है, तो उसे सार्वजनिक क्यों नहीं किया जा रहा है? जिन श्रद्धालुओं ने राम मंदिर में राशि या कीमती सामान दान किया है, क्या उन्हें यह जानने का हक नहीं है कि उसका इस्तेमाल कहां हुआ? अगर मंदिर के वित्तीय प्रबंधन में किसी तरह का हेरफेर कर लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ होता है, तो इसके लिए जवाबदेही किसकी है?

अयोध्या स्थित राम मंदिर में हर साल देश—विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालु पूजा—अर्चना करने आते हैं और वहां करोड़ों रुपए का चढ़ावा चढ़ता है। ऐसे में दान राशि में गड़बड़ी से इस तीर्थ स्थल की छवि को भी नुकसान पहुंचेगा। एक सवाल यह भी उठ रहा है कि अमूमन किसी मामले में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद जांच प्रक्रिया शुरू की जाती है, लेकिन इस मामले में पहले जांच की गई और अब एसआइटी ने प्राथमिकी दर्ज करने की सिफारिश की है।

विपक्षी दलों का कहना है कि जब तब इस मामले में प्राथमिकी दर्ज नहीं की जाती है, तब तक कोई भी जांच बिना तीर के कमान जैसी है। ऐसे में एसआइटी न तो किसी आरोपी को पूछताछ के लिए समन भेज सकती है और न ही किसी को गिरफ्तार कर सकती है। इसके अलावा इस बात को लेकर भी संदेह जताया जा रहा है कि मौजूदा जांच निचले स्तर के कर्मियों पर केंद्रित है, जबकि राम मंदिर में उच्चस्तर पर जिम्मेदारी संभालने वालों को इससे अलग रखा गया है।

बहरहाल, सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इस मामले की निष्पक्ष और गहराई से जांच हो, ताकि सभी दोषियों को न्याय के कठघरे में लाया जा सके।

बढती मंहगाई और सरकार

पश्चिम एशिया में हालात पूरी तरह सामान्य नहीं हो पाने की वजह से देश में बढ़ती महंगाई के बीच अब इसका असर औद्योगिक उत्पादन पर भी दिखने लगा है। हालत यह है कि देश के आठ बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर बीते मई में सुस्त पड़कर सात महीने के निचले स्तर 0.5 फीसद पर पहुंच गई। जबकि, अप्रैल में बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर 1.8 फीसद और पिछले वर्ष मई में 1.2 फीसद थी। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, कोयला, कच्चा तेल और रिफाइनरी उत्पादों के उत्पादन में गिरावट के कारण इन उद्योगों की वृद्धि की रफ्तार धीमी पड़ी है। इससे स्पष्ट है कि ऊर्जा संकट उत्पादन में कमी का प्रमुख कारण है और अगर अमेरिका—ईरान के बीच समझौता वार्ता किन्हीं कारणों से पटरी से उतरती है या लंबी चलती है, तो आने वाले दिनों में उद्योगों की स्थिति और कमजोर हो सकती है।

मगर, सवाल है कि सरकार के उन दावों का क्या हुआ, जिनमें कहा जा रहा था कि संभावित संकट का सामना करने के लिए समय रहते वैकल्पिक उपाय तलाश लिए जाएंगे। दरअसल, होर्मुज जलमार्ग के बाधित रहने से वैश्विक आपूर्ति शृंखला प्रभावित हुई है, जिससे भारत समेत दुनिया के कई देशों में ऊर्जा का संकट खड़ा हो गया है। भारत पर इसका ज्यादा असर इसलिए पड़ रहा है, क्योंकि यहां आयात पर निर्भरता अधिक है। ऊर्जा के वैश्विक संकट की वजह से देश में पेट्रोल—डीजल की कीमतों में लगातार इजाफे के बाद सरकार ने पिछले दिनों घरेलू रसोई गैस के दामों में भी 29 रुपए प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी कर दी थी। यानी महंगाई की आंच अब आम लोगों की रसोई तक पहुंच गई है, जो आने वाले दिनों में और तेज हो सकती है।

इस बीच बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर सात महीने के निचले स्तर पर पहुंच जाने का मतलब है कि ऊर्जा संकट की वजह से उद्योगों के उत्पादन पर गहरा असर पड़ा है। सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पादों और उर्वरक की उत्पादन वृद्धि में बड़ी गिरावट आई है। इस्पात और सीमेंट के उत्पादन की वृद्धि दर मई में घटकर क्रमशरु पांच फीसद और 8.4 फीसद रही, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 7.4 फीसद और 9.7 फीसद थी। आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है कि मई में बिजली उत्पादन में बढ़ोतरी 19 महीनों के उच्चतम स्तर पर पहुंचने से बुनियादी उद्योगों की समग्र वृद्धि को थोड़ा सहारा मिला है। यानी बिजली उत्पादन को अगर अलग कर दिया जाए, तो इन उद्योगों के उत्पादन में कुल गिरावट संकलित किए गए आंकड़ों से कहीं ज्यादा है।

अगर मौजूदा स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो, इसका असर न केवल निर्यात के कारोबार पर पड़ेगा, बल्कि मांग और आपूर्ति के बीच अंतर बढ़ने से देश में वस्तुओं के कीमतों में इजाफे से भी इनकार नहीं किया जा सकता। मगर, संकट की इस स्थिति से निपटने के लिए सरकार की ओर से कोई ठोस उपाय करने के प्रयास नजर नहीं आते हैं।

इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि एक तरफ आम आदमी महंगाई के बोझ तले दबता जा रहा है और दूसरी तरफ सरकार यह दिखाने का प्रयास कर रही है कि आवश्यक वस्तुओं के दाम अब भी नियंत्रण में हैं। मौजूदा संकट के लिए भले ही वैश्विक परिस्थितियां जिम्मेदार हों, लेकिन इसके समाधान के लिए सरकार द्वारा कारगर कदम उठाने के बजाय इसका बोझ जनता पर डाल देने को उचित नहीं ठहराया जा सकता।

भाजपा की नई टीमः बड़े चेहरों—जातीय संतुलन पर भरोसा

—संजय सक्सेना—

उत्तर प्रदेश भाजपा की नई टीम में जातीय और क्षेत्रीय संतुलन साधने की कोशिश साफ दिख रही है। पार्टी ने जिस तरह ब्राह्मण, पिछड़ा, दलित और अलग—अलग इलाकों से जुड़े चेहरों को जगह दी है, उससे यह संदेश दिया जा रहा है कि संगठन केवल एक वर्ग या एक क्षेत्र के सहारे नहीं चलेगा, बल्कि हर बड़े सामाजिक समूह को साथ लेकर आगे बढ़ने की रणनीति बनाई जा रही है। पार्टी के भीतर यह चर्चा भी तेज है कि नई टीम के गठन में प्रदेश अध्यक्ष से ज्यादा राष्ट्रीय नेतृत्व के भरोसेमंद रणनीतिकार सुनील बंसल की छाप नजर आती है। यही वजह है कि इसे सिर्फ संगठनात्मक फेरबदल नहीं, बल्कि आने वाले विधानसभा चुनाव की जमीन तैयार करने की कवायद भी माना जा रहा है।

भाजपा जानती है कि उत्तर प्रदेश में जीत सिर्फ नारे से नहीं, बल्कि जातीय समीकरण, क्षेत्रीय संतुलन और बूथ स्तर की पकड़ से तय होती है।जनसाधारण के नजरिये से देखें तो पार्टी ने ब्राह्मणों की नाराजगी को भी गंभीरता से लेने की कोशिश की है। नई टीम में इस वर्ग को अपेक्षाकृत अच्छी जगह देकर भाजपा यह संदेश देना चाहती है कि वह किसी एक सामाजिक आधार को कमजोर नहीं होने देगी। इससे यह भी माना जा रहा है कि पार्टी पुराने भरोसेमंद मतदाताओं को फिर से जोड़ने की दिशा में काम कर रही है, क्योंकि चुनाव के समय संगठन का यह संतुलन बहुत मायने रखता है।सूत्रों और राजनीतिक चर्चाओं में यह बात भी उठ रही है कि सुनील बंसल की भूमिका अब भी उतनी ही अहम है, जितनी पहले थी। वे उत्तर प्रदेश की राजनीतिक नब्ज को गहराई से समझते हैं और 2017 के विधानसभा चुनाव में पार्टी को सत्ता तक पहुंचाने में उनकी रणनीति की बड़ी भूमिका मानी गई थी। इसीलिए नई टीम को देखकर बहुत से लोग इसे उसी पुराने संगठनात्मक मॉडल की वापसी के रूप में देख रहे हैं, जिसमें नीचे तक पकड़, सामाजिक गणित और लगातार संवाद सबसे महत्वपूर्ण होते हैं।

इसी संदर्भ में संदीप बंसल का नाम भी चर्चा में आ रहा है। राजनीतिक समझ रखने वाले लोग मान रहे हैं कि आने वाले चुनाव में वे भी प्रदेश की राजनीति में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। इसका कारण यह है कि भाजपा अब ऐसे चेहरों को आगे बढ़ाने की तैयारी में दिख रही है जो संगठन, वर्ग—संतुलन और चुनावी प्रबंधन तीनों में काम आ सकें। यदि यह प्रवृत्ति आगे बढ़ी, तो संदीप बंसल जैसे नेताओं की उपयोगिता और बढ़ सकती है।नई टीम की सबसे बड़ी खासियत यही मानी जा रही है कि उसमें केवल चेहरों का नहीं, बल्कि संदेशों का भी संतुलन साधा गया है। एक तरफ पार्टी यह दिखाना चाहती है कि वह सभी बड़े समाजों को साथ लेकर चल रही है, दूसरी तरफ यह भरोसा भी देना चाहती है कि चुनावी प्रबंधन पहले की तरह मजबूत हाथों में है। जनता के बीच भी यही धारणा बनती है कि भाजपा संगठन को हल्के में नहीं लेती और हर बड़े चुनाव से पहले अपनी व्यवस्था को फिर से कसती है।

खैर, उत्तर प्रदेश भाजपा की नई टीम में जातीय और क्षेत्रीय संतुलन को खास तौर पर साधने की कोशिश दिखाई दी है। पार्टी ने 19 प्रदेश उपाध्यक्ष, 8 प्रदेश महामंत्री और 19 प्रदेश मंत्रियों के साथ पूरी कार्यकारिणी को नए सिरे से सजा दिया है, जिसमें ब्राह्मण, पिछड़ा, दलित, पूर्वांचल, पश्चिमी यूपी और अवध—कानपुर जैसे क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व ध्यान से रखा गया है. प्रदेश उपाध्यक्षों की सूची में सुरेश राणा, सत्यपाल सैनी, ब्रज बहादुर सिंह, डॉ. धर्मेंद्र सिंह, मोहित बेनीवाल, देवेश कोरी, प्रियंका रावत, दुर्विजय शाक्य, रमेश सिंह, नीरज सिंह, अर्चना मिश्रा, पूजा पाल, शंकर गिरी, कामेश्वर सिंह, डॉ. कृतिका अग्रवाल, सुरेश मौर्य, राजेश यादव, कृष्ण बिहारी राय और आलोक गुप्ता जैसे नाम अलग—अलग सामाजिक और क्षेत्रीय पृष्ठभूमि का संदेश देते हैं.

प्रदेश महामंत्रियों में रामप्रताप सिंह चौहान, गीता शाक्य, अभिजात मिश्रा, उपेंद्र रावत, संजय राय, शंकर लोधी, दिलीप पटेल और राजेश चौधरी को जगह मिली है. इन नामों के जरिए पार्टी ने ओबीसी, दलित, ब्राह्मण और क्षेत्रीय संतुलन को साधने की कोशिश की है. यह भी संकेत मिलता है कि संगठन में केवल पुराने चेहरों पर भरोसा नहीं किया गया, बल्कि चुनावी प्रबंधन में काम आ सकने वाले मिश्रित नेतृत्व को प्राथमिकता दी गई है.

प्रदेश मंत्रियों की सूची भी इसी सामाजिक गणित को आगे बढ़ाती है, जो नाम प्रमुखता से सामने आए हैं, उनमें शंकर गिरी, डॉ. चंद्रमोहन सिंह, मीना चौबे, अंजुला सिंह माहौर, विजय शिवहरे, शंकर लोधी, शकुंतला चौहान, अनामिका चौधरी, पूनम बजाज, अर्चना मिश्रा, अमित बाल्मीकि, बसंत त्यागी, शिवभूषण सिंह, सुरेश पासी, अभिजात मिश्रा और डीपी भारती शामिल हैं. इन नियुक्तियों से पार्टी ने यह संदेश देने की कोशिश की है कि संगठन में हर बड़े सामाजिक वर्ग को हिस्सेदारी दी जा रही है. क्षेत्रीय अध्यक्षों की घोषणा भी इस फेरबदल का अहम हिस्सा रही।

कुल मिलाकर यह नई टीम केवल पदों का बंटवारा नहीं, बल्कि 2027 विधानसभा चुनाव की जमीन तैयार करने वाला संगठनात्मक ढांचा मानी जा रही है. पार्टी ने सामाजिक समीकरण, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व और चुनावी प्रबंधन तीनों को एक साथ साधने की कोशिश की है.जाति के हिसाब से देखें तो इस सूची में ब्राह्मण, क्षत्रिय, यादव, शाक्य, लोधी, सैनी, पासी, बाल्मीकि, शाक्य, मौर्य, रावत, कोरी, चौहान, जाटव और अन्य पिछड़े—दलित समुदायों की मौजूदगी साफ दिखती है. यही वजह है कि इसे महज संगठनात्मक बदलाव नहीं, बल्कि राजनीतिक संदेश वाली टीम माना जा रहा है.

बहरहाल, ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में भाजपा के सामने अलग—अलग चुनौतियां हैं। शहरों में विकास, रोजगार और प्रशासनिक छवि मुद्दा बनते हैं, जबकि गांवों में जातीय तालमेल, स्थानीय नेतृत्व और कार्यकर्ताओं की सक्रियता निर्णायक होती है। नई टीम का गठन इन्हीं दोनों स्तरों पर एक साथ असर डालने की कोशिश लगता है। इसलिए इसमें ऐसे चेहरों को महत्व दिया गया है जो अपने—अपने इलाकों में पकड़ रखते हों और समाज के अलग—अलग हिस्सों को साध सकें।जनमानस में यह भी देखा जाता है कि भाजपा जब किसी नामचीन रणनीतिकार की छाप वाली टीम बनाती है, तो उसका मतलब केवल पदों का बंटवारा नहीं होता, बल्कि आने वाले चुनाव की रूपरेखा भी साथ—साथ बनती है। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में यह फार्मूला कई बार कारगर रहा है। यहाँ संगठन की मजबूती, जातीय गणित और नेतृत्व का भरोसा, तीनों मिलकर चुनावी नतीजों को प्रभावित करते हैं। इसीलिए नई टीम को लेकर उम्मीद और चर्चा, दोनों एक साथ चल रही हैं।

क्या गिरफ्तार होंगे श्रीराम मंदिर के चंदा चोर..?

—राजेश श्रीवास्तव—

राम मंदिर की दान राशि हेरफेर का मामला इन दिनों सुर्खियों में है। जिन लोगों के हाथ में मंदिर की व्यवस्था थी वो सभी सवालों के घेरे में हैं। ट्रस्ट के पदाधिकारियों और कर्मचारियों से लेकर चंदे की गणना में लगे बैंककर्मी तक सवालों के घेरे में हैं। पूरे प्रांगण में 800 कैमरे लगे हैं, उसके बाद भी चोरी कैसे हो गई। जब राम मंदिर आंदोलन चल रहा था, तब से लेकर आजतक चंदे का कोई लेखा—जोखा नहीं आया। इस मामले में बहुत बड़े—बड़े लोगों की संलिप्तता है। दावा तो ये भी किया जा रहा है कि कंस्ट्रक्शन में भी बहुत ज्यादा भ्रष्टाचार हुआ है। वहां लगातार चोरी हुई और उसे टालने की कोशिश की जा रही है। ये मामला गंभीर है। अब तक ट्रस्ट क्यों बना हुआ है। उसे अब तक बर्खास्त कर दिया जाना चाहिए था। अगर चंदे की चोरी हो रही थी तो खुद ट्रस्ट को इसकी एफआईआर दर्ज करानी चाहिए थी। उसने ऐसा क्यों नहीं कराया? एसआईटी ने इतने दिन पूछताछ की, क्या उसने अभी तक कुछ बताया?

मुझे लगता है कि इस सबका बवाल आना चाहिए था। इस मामले में संघ की चुप्पी ने मुझे हैरान किया है, प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी ने मुझे हैरान किया है। ये धर्म के साथ बहुत बड़ा अपराध है। सच्चाई सामने आनी चाहिए। एक हिंदू होने के नाते मैं शंखनाद महसूस कर रहा हूं। चंपत राय मौन क्यों हैं? उन्हें सामने आकर बताना चाहिए। ये आस्था की चोरी हुई है। राम मंदिर आंदोलन के समय से ही पैसे का कभी कोई हिसाब नहीं दिया गया। रुपये दिए, लोगों ने जेवर दिए, शिलाएं दान कीं, जिनमें सोने—चांदी की शिलाएं थीं वो सब कहां गईं? ये सिर्फ हिंदुओं की आस्था का मामला नहीं है। राम भारतीयता का प्रतीक है। ये भारतीयता को तकलीफ देने वाला मामला है। ये जो एसआईटी बनी है, वो एसआईटी है ही नहीं। एसआईटी हमेशा एफआईआर के बाद गठित होती है। ये सिर्फ एक जांच कमेटी है। यहां ऐसा कुछ नहीं है।

आरोप सबसे अधिक अगर किसी पर लग रहे हैं तो वह चंपत राय, और उनके पूर्व चालक टिन्नू यादव पर। चंपत की नीयत पर किसी को संदेह नहीं है क्योंकि वह सरकारी नौकरी छोड़कर जिस तरह से संघ के कामकाज व राम मंदिर आंदोलन के लिए अपनी सर्वोच्च क्षमता के साथ पूरी ईमानदारी से लगे थे। मुझे अच्छी तरह याद है जब राम मंदिर का उद्घाटन था और मैंने उनसे पूछा कि राम मंदिर के निर्माण में बहुत पैसा आयेगा, इसको कैसे व्यवस्थित रखा जायेगा, तो उन्होंने कहा था कि राम के पैसे की व्यवस्था की जरूरत नहीं, उनके पैसे की निगरानी नहीं. सारा पैसा ईमानदारी से मंदिर निर्माण में लगेगा, और जो राम का पैसा लेगा, उसे कुष्ठ रोग जैसी बीमारी लगेगा। इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि उनकी कोई संलिप्तता होगी लेकिन चूंकि व्यवस्था उन्हीं के हाथों में है तो उनको जांच रिपोर्ट आने तक खुद को इस्तीफा देकर अलग कर लेना चाहिए।

अगर सही समझें तो राम मंदिर के दानपात्रों की धनराशि में हेराफेरी किए जाने के साथ ही इससे जुड़े साक्ष्यों को मिटाने का खेल भी लंबे समय से चल रहा था। गबन के खेल में जो ट्रस्ट कर्मी नहीं शामिल होते थे, उन्हें निकाल दिया जाता था या फिर धमकियां देकर अयोध्या छोड़ने को मजबूर किया जाता था। यह तथ्य न केवल विशेष जांच दल (एसआईटी) की जांच में साबित होता नजर आ रहा है बल्कि पूर्व लेखा प्रभारी महेपाल सिंह व ट्रस्ट के इंजीनियर रहे प्रयागराज के दीनानाथ वर्मा के बयान भी इसे प्रमाणित कर रहे हैं।

महिपाल सिंह के दावे तब सत्य होते दिखे, जब एसआईटी जांच में गणना कक्ष के सीसी कैमरों की फुटेज केवल डेढ़ माह की मिली। टीम ने डिलीट किए गए पुराने डेटा को रिकवर कराने और छेड़छाड़ की जांच के लिए इसे दिल्ली स्थित प्रयोगशाला में भेजा है। दानराशि में चोरी का प्रकरण पांच जून को सामने आने के बाद से अब तक कई तथ्य व पूर्व कर्मियों के बयान सामने आ चुके हैं। यहां तक कि राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र भी मीडिया के सामने आकर इसकी स्वीकारोक्ति कर चुके हैं। उन्होंने भी दानराशि के संग्रहण में हुई वित्तीय पारदर्शिता की चूक को स्वीकारा है और पूरे सिस्टम को बदलने की आवश्यकता जताई है। इससे पहले ट्रस्ट के पूर्व लेखा प्रभारी महिपाल सिंह ने सामने आकर यह दावा पहले ही कर दिया था कि मंदिर व्यवस्था से जुड़े रामशंकर यादव टिन्नू ने गणना कक्ष के सीसीटीवी फुटेज से छेड़छाड़ करके आठ महीने का डेटा डिलीट करा दिया था। उन्होंने विरोध किया तो उन्हें निकलवा दिया गया और धमकियां दी गईं। प्रकरण ने तूल पकड़ा तो 13 जून को राज्य सरकार ने एसआईटी गठित कर मामले की जांच शुरू करा दी। छह दिनों की जांच में यह प्रमाणित हो गया कि सीसीटीवी फुटेज से छेड़छाड़ की गई है। इसी बीच ट्रस्ट के पूर्व इंजीनियर दीनानाथ वर्मा भी सामने आ गए और उन्होंने निर्माण सामग्री के बिल पर ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र के 40 प्रतिशत कमीशन लेने का आरोप लगाते हुए सनसनी फैला दी। वर्मा ने यह भी बताया कि वह जब विरोध करने लगे तो उन्हें गणना में लगा दिया गया। वहां भी जब विरोध किया तो अयोध्या छोड़ देने की धमकियां दी गईं। इससे स्पष्ट है कि गबन का यह खेल वर्षों से चल रहा था। इसे अपने रिश्तेदारों व परिचितों को भर्ती करा अनुकल्प मिश्रा गति देता रहा।

अयोध्या स्थित राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण में हर दिन नए तथ्य सामने आ रहे हैं। इससे मंदिर प्रबंधन पर लग रहे आरोपों के साथ—साथ संदेह भी बढ़ता जा रहा है। मंदिर निर्माण के समय दान देने वाले कुछ श्रद्धालु अब खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं और दान में दी गई वस्तुओं का सार्वजनिक हिसाब मांग रहे हैं।

इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के नॉर्थ इंडिया हेड अनुराग रस्तोगी ने बताया कि देशभर के सराफा कारोबारियों ने 10—10 और 20—20 ग्राम चांदी भेजकर करीब 60 किलो चांदी एकत्र की थी। इस चांदी को गलाकर एक से सवा किलो वजन की ईंटें तैयार की गई थीं जिन पर दानदाताओं के नाम और गोत्र अंकित थे। इसके अलावा ऋषिकेश एसोसिएशन की ओर से एक किलो चांदी का कलश भी भेंट किया गया था। रस्तोगी के मुताबिक, 20 जुलाई 2020 को चंपत राय की सहमति के बाद ये चांदी की ईंटें अयोध्या स्थित रामकचहरी में सौंपी गई थीं। उस समय चंपत राय, डॉ. अनिल मिश्रा और कैशियर प्रकाश गुप्ता मौजूद थे। दान सामग्री स्वीकार करने के बाद शुद्धता प्रमाण पत्र और रसीद भी जारी की गई थी। उनका कहना है कि इन ईंटों को नींव पूजन में उपयोग करने का अनुरोध किया गया था लेकिन बाद में इनके बारे में कोई जानकारी नहीं मिली। रस्तोगी ने यह भी दावा किया कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से एक—एक किलो के दो चांदी के दीपक, दो चांदी के कटोरे, 200 ग्राम की पंचधातु सिल्ली और नाग—नागिन का जोड़ा दान किया था। उनके मुताबिक, एक दीपक में डॉ. अनिल मिश्रा और उनकी पत्नी ने अखंड ज्योति जलाई थी जो प्राण प्रतिष्ठा के दौरान तस्वीरों में भी दिखाई दी थी हालांकि, भव्य मंदिर बनने के बाद न तो वह दीपक दिखाई दे रहा है और न ही भगवान के भोग के लिए दान किए गए चांदी के कटोरे।

यह एक इकलौता मामला नहीं है। सूत्रों की मानें तो श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे और दान राशि से जुड़े कथित अनियमितता प्रकरण की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) को जांच के दौरान एक और महत्वपूर्ण पहलू मिला है। सूत्रों के मुताबिक, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की हर तीसरे माह होने वाली बैठक में मंदिर की आय और नकद दान का विवरण प्रस्तुत किया जाता था लेकिन सोने—चांदी एवं अन्य बहुमूल्य दान सामग्री की मात्रा, मूल्यांकन और उपलब्ध स्टॉक का विस्तृत ब्योरा बैठक के एजेंडे का नियमित हिस्सा नहीं था।

ऐसे में एसआईटी यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वर्षों के दौरान प्राप्त हुई बहुमूल्य दान सामग्री का समुचित लेखा—जोखा किस स्तर पर रखा गया और उसकी निगरानी की व्यवस्था क्या थी।

फर्जी मुठभेड़ के सुलगते सवाल

—निर्मल रानी—

हमारे देश में फर्जी पुलिस मुठभेड़ों का इतिहास काफी पुराना है। इसके पीछे आम तौर पर कानून—व्यवस्था बनाये रखना, राजनैतिक दबाव के तहत मुठभेड़ों को अंजाम देना, त्वरित "न्याय" करने जैसी मानसिकता, अपराधियों से तत्काल निपट लेने की इच्छा, और कभी—कभी सत्ता के दुरुपयोग आदि कारण बताए जाते हैं। कई मामलों में गवाह न मिलने, मुकदमे लंबा खिंचने, या आरोपी के छूट जाने की आशंका से पुलिस मुठभेड़ जैसी "सीधी कार्रवाई" को ही 'न्याय' का आसान रास्ता मान लेती है। फर्जी मुठभेड़ में पुलिस या सुरक्षा बल किसी मुठभेड़ का नाटक रच कर या घटना की वास्तविक स्थिति को तोड़—मरोड़कर, किसी व्यक्ति की हत्या कर देते हैं और उसे "एनकाउंटर या मुठभेड़" बताकर बचा ठहराने की कोशिश करते हैं। आम तौर पर इसमें गिरफ्तारी, हिरासत, यातना, या पहले से पकड़े गए व्यक्ति को मुठभेड़ में मारे जाने जैसे आरोप शामिल होते हैं। कुछ क्षेत्रों में खासकर आतंकियों के खिलाफ कठोरता को समाज का समर्थन मिल जाता है, जिससे फर्जी मुठभेड़ को सामाजिक वैधता भी मिलने लगती है। सच पूछिये तो फर्जी मुठभेड़ें सिर्फ एक व्यक्ति की हत्या नहीं होतीं, बल्कि वे न्याय व्यवस्था, मानवाधिकार, और पुलिस की विश्वसनीयता को भी नुकसान पहुँचाती हैं। इस से निर्दोष लोगों की जान जा सकती है, जांच की साख गिरती है, और समाज में यह संदेश जाता है कि कानूनी प्रक्रिया से ऊपर जाकर भी "नतीजा" निकाला जा सकता है। परन्तु पूर्व में जब जब ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच हुई और इसमें षड्यंत्रकारियों को सजा हुई है, तब तब कुछ हद तक ऐसी घटनायें नियंत्रित भी हुई हैं। परन्तु पिछले दिनों बिहार के भोजपुर जिले के बिलौटी गांव में 28 वर्षीय भरत भूषण उर्फ भरत तिवारी के साथ हुई कथित पुलिस मुठभेड़ ने तो न केवल बिहार पुलिस की इस अवैध कार्रवाई बल्कि सत्ता व शासन प्रशासन के समक्ष भी बड़े सवाल खड़े कर दिये हैं। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना को राज्य के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा बिहार पुलिस के समर्थन व उसकी हौसला अफजाई में दिये उस बयान के संदर्भ में भी देखा जा रहा है जिसमें उन्होंने पुलिस को अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए पूरी छूट या फरी हैंड देने और राज्य में अपराधियों से कोई समझौता नहीं करने जैसी बात कही थी। परन्तु सूत्रों के अनुसार मुठभेड़ के शिकार भरत तिवारी के विरुद्ध इस घटना से पहले किसी तरह के अपराध का कोई मामला दर्ज नहीं है। हाँ उसका इतना अपराध जरूर था कि उसने सरकार,प्रशासन व जनप्रतिनिधियों से अपने क्षेत्र के बाढ़ कटाव—पीड़ितों के पुनर्वास और उनके लिये रहने लायक व्यवस्था की मांग कर रहा था। वह अपने बिलौटी गांव में आवंटित जमीन को रहने योग्य बनाने के लिए वहां ढ़ाई10 फीट तक मिट्टी भरवाने की बात कर रहा था। उसकी मांगें प्रायः वही थीं जिन्हें पूरा करने का जनप्रतिनिधियों ने चुनाव पूर्व वादा किया था। उसका कहना था कि नेताओं व अधिकारियों को अपने वादे पूरे करने चाहिए।

पुलिस मुठभेड़ से पहले उसके द्वारा बनायी गयी वीडिओ में जोकि बाद में बहुत वायरल हुई,वह यह कहते सुना गया कि "आज के बाद कोई भी नेता झूठा वादा नहीं करेगा,वादा करेगा तो उसे पूरा करना होगा"। यह वीडियो उसने अपने हाथों में रिवाल्वर लेकर बनाई थी इसमें वह शर्त रखता है कि मांगें पूरी होंगी तो वह हथियार डाल देगा, और बाद में उसने पुलिस कर्मियों के सामने अपनी पिस्तौल जमीन पर फेंकते हुए यह चेतावनी भी दी कि अगर उसके साथ फिर छल हुआ तो वह उसका जवाब देगा। खबर यह भी है कि चूँकि उसे फर्जी मुठभेड़ में अपनी हत्या किये जाने का शक था इसीलिये एक अन्य वीडिओ में उसने अपने शरीर को भारतीय सेना को दान करने की बात भी कही थी।

बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश, चोरी की तीन बाइकों के साथ तीन पकड़े गए

संवाददाता–महराजगंज। पनियरा पुलिस ने वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस गिरोह के लोग अलग–अलग जगहों से बाइकों की चोरी कर उसे ठिकाने पर लगा देते थे। पुलिस ने बाकी बंा नहर तिराहे के पास जांच के दौरान पनियरा व श्यामदेउदवा थाना क्षेत्र से चुराई गई तीन बाइकों के साथ तीन वाहन चोरों को दबोच लिया है। बाइक चोरी के इन मामले में संबंधित थानों में केस दर्ज है।

एसपी शक्ति मोहन अवस्थी के निर्देश पर पुलिस इस समय विशेष जांच अभियान चला रही है। इसी जांच अभियान के क्रम में पनियरा पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। थानाध्यक्ष पनियरा के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने बाइक चोरी की घटनाओं के सफल अनावरण के लिए की जा रही सघन कार्रवाई के दौरान चोरी के मुकदमों में वांछित तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया। आरोपितों के कब्जे से चोरी की गई तीन बाइकें बरामद की गईं, जिनके संबंध में विभिन्न थानों पर मुकदमे पंजीकृत थे।

गुरुवार को पुलिस टीम क्षेत्र के बाकी बंधा नहर तिराहा क्षेत्र में संदिग्ध ा व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस टीम ने तीन व्यक्तियों को चोरी की बाइकों के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ एवं जांच के दौरान बरामद बाइकों का संबंध थाना पनियरा एवं थाना श्यामदेउरवा में दर्ज बाइक चोरी के मुकदमों से पाया गया। गिरफ्तार आरोपितों विजय जायसवाल निवासी सतगुर पनियरा, जलालु व राजा बाबू निवासी कुंआचाप पनियरा के विरुद्ध पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। इनके कब्जे से पैशन प्रो यूपी 53 बीएन 8328, स्प्लेंडर प्लस यूपी 56 एस 9862 व एचएफ डीलक्स यूपी 56 वी 1996 बाइकें बरामद हुईं जिनकी चोरी के बाद पनियरा व श्यामदेउरवा थाने में केस दर्ज हुआ थाा

वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश करने वाली टीम में एसओ संजय कुमार सिंह, एसआई शशिकांत यादव, एसआई रमेश चन्द्र चौधरी, एसआई अमित कुमार राय, एसआई संदीप कुमार यादव, एसआई अशोक कुमार गिरि, हेड कांस्टेबिल आनन्द मिश्रा, कांस्टेबिल अनिल कुमार, अमन सिंह, धनंजय यादव, राघवेन्द्र व सर्वेश वर्मा शामिल रहे।

लोकतंत्र सेनानियों ने मनाया काला दिवस, बोले आपातकाल के खिलाफ थी सबसे बड़ी लड़ाई

संवाददाता–महराजगंज। गुरुवार को जिला मुख्यालय पर लोकतंत्र सेनानियों ने आपातकाल की 51वीं वर्षगांठ पर 25 जून को काला दिवस के रूप में मनाया। संगठन के जिलाध्यक्ष फिरोज अहमद की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में सेनानियों ने आपातकाल को भारतीय लोकतंत्र पर सबसे बड़ा प्रहार बताते हुए कहा कि उस दौर के संघर्ष और बलिदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाना समय की जरूरत है। ताकि लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के प्रति जागरूकता बनी रहे। संचालन पूर्व जिला पंचायत सदस्य राधेश्याम गौतम ने किया।संगठन के प्रांतीय प्रवक्ता व पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष आनंदनगर जयप्रकाश लाल ने कहा कि 25 जून 1975 को तत्कालीन केंद्र सरकार द्वारा लगाए गए आपातकाल ने देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को गंभीर आघात पहुंचाया था। उन्होंने कहा कि उस दौरान संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता प्रभावित हुई, प्रेस पर सेंसरशिप लगाई गई तथा नागरिकों के मौलिक अधिकारों पर प्रतिबंध लगाए गए। उन्होंने कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में विभिन्न राजनीतिक दलों व लोकतंत्र समर्थकों ने तानाशाही प्रवृत्तियों के खिलाफ संघर्ष किया था। कहा कि आपातकाल के उस दौर को याद करना इसलिए आवश्यक है ताकि नई पीढ़ी लोकतंत्र की रक्षा के लिए हुए संघर्षों से प्रेरणा ले सके। उन्होंने बताया कि वर्ष 2006 में तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले लोगों को लोकतंत्र सेनानी का दर्जा देकर सम्मानित किया था। जिलाध्यक्ष फिरोज अहमद ने कहा कि देश के कई राज्यों में लोकतंत्र सेनानियों को विभिन्न सुविधाएं व सम्मान प्रदान की जा रही हैं। उन्होंने वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों पर भी चर्चा की तथा लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए सतत जागरूक रहने की आवश्यकता पर बल दिया। इस दौरान सुभाष त्रिपाठी, अवधराज यादव, राममिलन सिंह, लाल मोहम्मद, त्रिलोकी, दीनानाथ, पार्वती देवी, उषा देवी, अतिराजी देवी, महंगू मिश्रा, बिरजू पटेल, राजपाल, त्रिलोकीनाथ, पल्टू प्रसाद, शफीक अहमद सहित आदि लोकतंत्र सेनानी व उनके आश्रित उपस्थित रहे।

ट्रेन की चपेट में आने से बुजुर्ग की मौत

संवाददाता–महराजगंज। कोठीमार थाना क्षेत्र के गुरली–रमगढ़वा रेलवे ट्रैक पर गुरुवार को एक दर्दनाक हादसे में लगभग 65 वर्षीय बुजुर्ग की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। रेलवे के वॉचमैन ने सिसवा बाजार–खड्डा रेलखंड पर किलोमीटर संख्या 32480–4 के पास एक व्यक्ति के ट्रेन संख्या 55096 की चपेट में आने की सूचना दी। सूचना मिलते ही कोठीमार थाना पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। मौके पर रेलवे ट्रैक के किनारे बुजुर्ग का शव पड़ा मिला। जांच के दौरान मृतक की पहचान कोठीमार थाना क्षेत्र के सबया टोला बुचिया के रहने वाले 65 वर्षीय द्वारिका के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि वह रेलवे ट्रैक के समीप पहुंच गया और ट्रेन की चपेट में आ गया। इस हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई।कोठीमार थाना प्रभारी अखिलेश वर्मा ने बताया कि मामले में अभी तक परिजनों की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले की सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय–श्रीमान बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी महोदय अयोध्या

वाद सं. 951/2024

शुभम सिंह आदि

बनाम

मिथलेश सिंह आदि

बनाम–1– मिथिलेश सिंह पत्नी राजेन्द्र पुत्री स्व. उदैराज सिंह 2– विमला देवी पत्नी चन्द्रभान पुत्री स्व. उदैराज सिंह निवासीगण ग्राम–नन्दौली परगना खण्डासा तहसील मिल्कीपुर जिला– अयोध्या

तारीख पेशी 29–06–2026

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2026 के माह 06 के 29 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 26 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बस्ती

सार्वजनिक सूचना

एतद्द्वारा निम्नलिखित भवन स्वामियो/क्रेतागणों तथा अन्य व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि निम्न भवनों के नाम परिवर्तन की कार्यवाही नगर पालिका परिषद बस्ती में बिचाराधीन है सम्बन्धित पक्षो को धारा 147 (2) की नोटिस भेजी जा चुकी है आपत्तिकर्ता सम्पूर्ण प्रमाण सहित विज्ञापन प्रकाशित होने के दिनांक से 30 दिन के अन्दर अपना पक्ष/आपत्ति नगर पालिका परिषद बस्ती के कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा सहनियम कार्यवाही करते हुए प्रकरण निस्तारित कर दिया जायेगा।

क्र0	प्रापर्टी आई0डी0	आवेदन संख्या	वर्तमान नाम	प्रास्तावित नाम	अधार
1	2	3	4	5	6
1	09517010005021292R	PM5172627004058	श्री आनन्द कुमार, मगरू,	रामसखी त्रिलोकी नाथ	रजि० सेल डीड
2	09517010006028182R	PM5172627004050	राम प्रसाद पुत्र वल्देव प्रसाद	ओमकार राम प्रसाद	वारिसान
3	09517010001024913R	PM5172627004044	विजय शंकर पुत्र रामजी	सुमत गुप्ता पंकज गुप्ता	वारिसान
4	09517010008038101R	PM5172627004043	श्री मनोज कुमार सिंह पुत्र	विशाल सिंह धर्मवीर सिंह	रजि० सेल डीड
5	09517010005021120R	PM5172627004035	श्री घनश्याम लाल श्रीवास्तव	सरिता श्रीवास्तवा घनश्याम लाल श्रीवास्तव	रजि० सेल डीड
6	09517010008036102R	PM5172627004032	श्री मुन्नू पुत्र मंगरे	चन्द्र शेखर मुन्नू प्रसाद	वारिसान
7	09517010007028455R	PM5172627004031	श्रीमती अंजू वेदी पत्नी प्रताप	अजीत सिंह वेदी प्रताप सिंह वेदी	रजि० वसीयत
8	09517010004035434R	PM5172627004019	कनीज पत्नी बब्बन	एम०डी० सरफराज आलम एम०डी० रफीक	रजि० वसीयत
9	09517010005022001R	PM5172627004010	इलायची देवी पत्नी पंचम	राजेन्द्र कुमार जायसवाल पंचम लाल जैसवाल	वारिसान
10	09517010006029557R	PM5172627004000	श्री अताउल्लाह पुत्र श्री	सैयद सुहेल अहमद अताउल्लाह	वारिसान
11	09517010002036316R	PM5172627004106	बद्रीनाथ	पूनम गुप्ता विजय कुमार	रजि० सेल डीड
12	09517010008031993R	PM5172627004097	श्रीमती कुशमावती देवी पत्नी श्री अशोक कुमार	सुमित कुमार अशोक कुमार	वारिसान
13	09517010008031994R	PM5172627004098	कुसुमावती पत्नी अशोक कुमार	अमित कुमार अशोक कुमार	वारिसान
14	09517010004024161R	PM5172627004090	जवाहर लाल पुत्र अशर्फी लाल	उर्मिला देवी राजाराम कसौधन	रजि० सेल डीड
15	09517010005021603R	PM5172627004088	समसु न्निशा पत्नी मुस्ताक खॉ	इस्तियाक अहमद मुस्ताक खान	वारिसान
16	09517010003021951R	PM5172627004086	खैरुल्लाह	लतिफुननिशा मोहम्मद मुरतजा	कोर्ट आर्डर
17	09517010004026831R	PM5172627004085	श्री काजी अब्दुल हमीद पुत्र काजी मोहम्मद जकी 1/2 भाग, शरीफुन्निशां पत्नी अतीकुर्रहमान 1/2 भाग	सतीश अबाजी गोयकर अब्बाजी लक्ष्मण गोयकर	रजि० सेल डीड
18	09517010003021227R	PM5172627004082	सैजू, लाल मो० पुत्रगण टहलू गुलाम हुसेन पुत्र बैजू	मामिना खातून लाल मोहम्मद	वारिसान
19	09517010007028117R	PM5172627004081	श्रीमती कमल ठुकराल पत्नी अमरजीत ठुकराल	आशीष ठुकराल अमरजीत ठुकराल	रजि० वसीयत
20	09517010003021360R	PM5172627004076	राम कुमार पुत्र लक्ष्मी प्रसाद रमेश कुमार पुत्र लक्ष्मी प्रसाद	आशीष कुमार गुप्ता राम कुमार	वारिसान
21	09517010008036543R	PM5172627004073	श्रीमती स्नेह किरण पत्नी रमेश कुमार, श्रीमती शकुन्तला देवी पत्नी राम कुमार, रमेश कुमार पुत्र लक्ष्मी नरायन, राम कुमार पुत्र लक्ष्मी नरायन	आशीष कुमार गुप्ता राम कुमार	वारिसान
22	09517010004026673R	PM5172627004074	श्री राम कुमार पुत्र स्व० लक्ष्मी नरायन	आशीष कुमार गुप्ता राम कुमार	वारिसान
23	09517010005026316R	PM5172627004075	श्री रामकुमार पुत्र स्व० लक्ष्मी प्रसाद व श्रीमती शकुन्तला देवी पत्नी रामकुमार	आशीष कुमार गुप्ता राम कुमार	वारिसान
24	09517010006028079R	PM5172627004072	श्रीमती मोती देवी पत्नी श्री ओम प्रकाश सिंह	धीरेन्द्र कुमार सिंह ओम प्रकाश सिंह	वारिसान
25	09517010004025664R	PM5172627004070	अद्यावती पत्नी हरिनरायण	अनिल कुमार श्रीवास्तव हरी नरायन श्रीवास्तव	वारिसान
26	09517010002025627R	PM5172627004067	जलालुददीन पुत्र महबूब अली	अफसर अहमद जलालूद्दीन	वारिसान
27	09517010002025626R	PM5172627004068	श्रीमती खुशबन्निशा पत्नी श्री जलालुद्दीन	अफसर अहमद जलालुद्दीन	वारिसान
28	09517010002024392R	PM5172627004063	श्री चरनजीत सिंह पुत्र स्व० रघुवीर सिंह गुरमीत कौर, जयपाल कौर, सिमरन कौर पुत्रीगण स्व० रघुवीर सिंह, परमजीत कौर दूसरी पत्नी स्व० रघुवीर सिंह	नवनीत कौर चरनजीत सिंह	वारिसान
29	09517010003022880R	PM5172627004061	हशीबुन निशा पत्नी अब्दुल समद	मोहम्मद जमसेद साबिर अली	रजि० सेल डीड
30	09517010008033083R	PM5172627004059	नीतू पवाण्डेय पत्नी उमा शंकर पाण्डेय	अवनीश घर द्विवेदी शशिकान्त धर द्विवेदी	रजि० सेल डीड
31	09517010004024037R	PM5172627004056	श्रीमती दरख्शों बेगम पत्नी परवेज अख्तर, अर्शी अख्तर, फैसल अख्तर, फैजी अख्तर पुत्रगण परवेज अख्तर	रविश कुमार गुप्ता विश्वनाथ	रजि० सेल डीड

बृजभूषण शरण सिंह को जान से मारने की धमकी

संवाददाता–गोण्डा। कैसरगंज लोकसभा सीट से पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह को जान से मारने की धमकी मिली है। यह धमकी आज गुरुवार देर शाम करीब 6रू30 बजे पंडित शंकर दत्त शुक्ला नामक व्यक्ति ने अपने फेसबुक अकाउंट पर पोस्ट करके दी। पोस्ट में लिखा गया है, ष्यह शंकर दत्त शुक्ला आज तक जो बोला है ओह किया है और करने वाले हैं। पूरे सिस्टम को आग लगा देंगे और नेता बृजभूषण शरण सिंह को खुल्लम–खुल्ला दागेंगे सिस्टम ऐसे नहीं चलता है। इस घटना के बाद हड़कंप मच गया है और गोंडा पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। कैसरगंज सांसद के प्रतिनिधि ा ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

फेसबुक पर धमकी देने वाले युवक ने खुद को युवा नेता भारतीय जनता पार्टी बताया है। उसके फेसबुक प्रोफाइल पर निवास स्थान अयोध्या दर्शाया गया है। यह पोस्ट लगभग एक घंटा पहले किया गया था। कैसरगंज सांसद प्रतिनिधि संजीव सिंह ने इस मामले में शिकायत दर्ज कराने की बात कही है। संजीव सिंह ने बताया कि उन्हें फेसबुक पोस्ट मिली है, जिसमें पंडित शंकर दत्त शुक्ला ने बृजभूषण शरण सिंह को दागने की धमकी दी है। उन्होंने कहा कि धमकी का संज्ञान लेते हुए पुलिस को शिकायती पत्र दिया जा रहा है और इस तरह का कार्य करने वाले के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की गई है। इससे पहले भी बृजभूषण शरण सिंह और उनके विधायक पुत्र प्रतीक भूषण सिंह को राजस्थान के एक व्यक्ति द्वारा जान से मारने की धमकी दी गई थी। जांच में वह व्यक्ति मानसिक रूप से विक्षिप्त पाया गया था। यह दूसरी बार है जब पूर्व सांसद को इस तरह की धमकी मिली है। नगर कोतवाल बिंदेश्वरी मणि त्रिपाठी ने बताया कि अभी तक कोई भी शिकायती पत्र हमारे पास नहीं आया है बताइए कि पत्र आने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी नवाबगंज थाना अध्यक्ष अभय सिंह ने भी बताया कि अभी तक हमारे पास भी कोई शिकायत पत्र नहीं आया है।

सुपर अलनीनो के कारण कम बारिश को लेकर किसानों को करें जागरूक –जेडी

संवाददाता–महराजगंज। गोरखपुर मंडल के संयुक्त कृषि निदेशक विनोद कुमार शर्मा ने गुरुवार को महराजगंज स्थित कृषि कार्यालय का निरीक्षण किया। अधिकारियों–कर्मचारियों के साथ बैठक कर जरूरी निर्देश दिया। कहा कि मौसम की विपरित परिस्थितियों को देखते हुए किसानों को जागरूक किया जाए कि दलहनी, श्री अन्न या कम पानी में होने वाले धान की प्रजाति उगाएं।

उन्होंने बताया कि सुपर अलनीनो के कारण ऐसी संभावना व्यक्त की जा रही है कि औसत से कम बारिश हो सकती है। ऐसे में किसानों को जागरूक करने की आवश्यकता बढ़ गई है। सुनिश्चित सिंचाई के प्रबंध के बिना किसान ऐसी फसल से बचें, जिसके लिए अधिक पानी की आवश्यकता पड़े। किसान विकल्प के तौर पर दलहनी खेती कर सकते हैं। सभी किसान अपने फसलों की बीमा जरूर कराएं ताकि विपरीत परिस्थितियों में इसका लाभ मिल सके। किसान क्रेडिट कार्ड भी बनवाकर उसका भी लाभ उठाएं।

संयुक्त कृषि निदेशक ने कहा कि नहर, नलकूप और बोरिंग को क्रियाशील रखें। जिले में बीजों, उर्वरकों तथा कीटनाशक की पर्याप्त उपलब्धता बताई जा रही है। अधिकारी पारदर्शिता के साथ किसानों के बीच जाएं। कृषि विभाग द्वारा कराया गया कार्य संतोषजनक देखने को मिला। बैठक में डीडी एजी संजीव कुमार, जिला कृषि अधिकारी शैलेन्द्र प्रताप, जिला भूमि संरक्षण अधिकारी रमेश चन्द्र सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

संयुक्त निदेशक कृषि विनोद कुमार शर्मा ने चौपरिया में निर्माणाधीन किसान कल्याण केन्द्र का निरीक्षण किया। कार्यदायी संस्था को जल्द से जल्द भवन हैंडओवर करने का निर्देश दिया, ताकि इसका लाभ किसानों और कृषि विभाग को मिल सके।

सड़क हादसे में व्यापारी की मौत

संवाददाता–गोण्डा। उमरी–बेलसर मार्ग स्थित एनीबेसेंट स्कूल के पास बाइक से खेत देखने जा रहे व्यापारी को तेज रफ्तार कार टक्कर मारकर 100 मीटर तक घसीट ले गई। घायल बाइक सवार व्यापारी की अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही मौत हो गई। गुरुवार की सुबह राकेश सिंह बाइक से बेलसर–उमरी मार्ग स्थित खेत की तरफ जा रहे थे। एनीबेसेंट स्कूल के पास पीछे से आ रही कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी और उन्हें 100 मीटर तक घसीट ले गई। राकेश सिंह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे ईंट के चट्टे से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई। घायल राकेश को अस्पताल ले जाने के बजाय चालक कार छोड़कर फरार हो गया। करीब दस मिनट राकेश सड़क पर तड़पते रहे। सूचना मिलने पर स्वजन उन्हें अस्पताल ले जा रहे थे कि रास्ते में गोड़वाघाट के पास उनकी मौत हो गई। मृतक तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर थे। मृतक के दो बेटे राहुल सिंह और रोहित सिंह हैं। प्रत्यक्षदर्शी के मुताबिक दुर्घटना करने वाली कार पर जिला महामंत्री भाजपा का स्टीकर चस्पा है। रगड़गंज चौकी प्रभारी राकेश कुमार पांडेय ने बताया कि दुर्घटना में मौत को लेकर अभी कोई तहरीर नहीं मिली है।

32	09517010005024322R	PM5172627004057	ओम प्रकाश, पुत्र बिन्देश्वरी प्रसादमुकेश कुमार पुत्र ओम प्रकाश	बाल कृष्ण सोनी दिलीप कुमार सोनी	रजि० सेल डीड
33	09517010008033459R	PM5172627004051	मनीश चन्द्र श्रीवास्तव, विनय चन्द्र, रमेश चन्द्र, दधीश चन्द्र, सुशील चन्द्र, दिनेश चन्द्र पुत्र ध्रुवराजलाल मनोज कुमार पुत्र प्रेमचन्द्र	ध्यान चन्द्र श्रीवास्तव दधीश चन्द्र श्रीवास्तव	वारिसान
34	09517010003018734R	PM5172627004052	सीता देवी पत्नी ज्वाला प्रसाद	उत्सव गाडिया प्रमोद गाडिया	रजि० सेल डीड
35	09517010006020438R	PM5172627004047	श्री शबनम आरा पत्नी इबरार अहमद	इबरार अहमद जकाउल्लाह	वारिसान
36	09517010005021047R	PM5172627004046	कृपा शंकर पुत्र लाल बहादुर	अजय कुमार पाण्डेय कृपा शंकर पाण्डेय	वारिसान
37	09517010005024472R	PM5172627004042	श्री राम पुत्र बच्चा लाल	अमर मणि सिंह मनी राम यादव	रजि० सेल डीड
38	09517010006030944R	PM5172627004041	श्रीमती भानमती पत्नी झिनकान	गौरव कुमार अमित कुमार	रजि० वसीयत
39	09517010006030929R	PM5172627004040	श्रीमती भानमती पत्नी झिनकान	गौरव कुमार अमित कुमार	रजि० वसीयत
40	09517010001023669R	PM5172627004037	लंहल श्रीमती निर्मला गुप्ता पुत्रवधू श्री रामजी, कीर्ति पौत्री श्री रामजी, शिवम कुमार गुप्ता, हिमांशु गुप्ता पौत्रगण श्री रामजी	गिरजेश कुमारी मारकण्डेय प्रसाद	रजि० सेल डीड
41	09517010001023669R	PM5172627004036	श्रीमती निर्मला गुप्ता पुत्रवधू श्री रामजी, कीर्ति पौत्री श्री रामजी, शिवम कुमार गुप्ता, हिमांशु गुप्ता पौत्रगण श्री रामजी	गिरजेश कुमारी मारकण्डेय प्रसाद	रजि० सेल डीड
42	09517010007020942R	PM5172627004038	बलवन्त सिंह, रजवन्त सिंह पुत्र केशव सिंह	सिद्धार्थ सिंह बलवन्त सिंह	रजि० सेल डीड
43	09517010007020942R	PM5172627004034	बलवन्त सिंह, रजवन्त सिंह पुत्र केशव सिंह	अभिषेक सिंह राजवंत सिंह	रजि० सेल डीड
44	09517010007020942R	PM5172627004033	बलवन्त सिंह, रजवन्त सिंह पुत्र केशव सिंह	अभिषेक सिंह राजवंत सिंह	रजि० सेल डीड
45	09517010004027847R	PM5172526003969	राम अधार पुत्र भगनन्दन	कुमारी देवी राम अधारे	वारिसान

अधिशाषी अधिकारी

नगर पालिका परिषद, बस्ती

पत्रांक:–634 (A)/न0पा0प0 बस्ती/कर अनुभाग/विज्ञप्ति/2026–27 दिनांक:–25 जून 2026

सीएम योगी ने स्कूली बच्चों को खीर परोसी, अक्षय पात्र किचन का उद्घाटन किया, 11 ब्लॉकों के स्कूल में तैयार भोजन पहुंचेगा

संवाददाता–गोरखपुर। सीएम योगी 3 दिवसीय गोरखपुर दौरे पर गुरुवार शाम पहुंचे। चिलुआताल थाने के सामने बने अक्षय पात्र किचन का उद्घाटन किया। यहां परिषदीय स्कूल के बच्चों को अपने हाथों से योगी ने भोजन परोसा। उन्होंने बच्चों को खीर परोसकर उनका हालचाल भी जाना। योगी ने किचन की व्यवस्था का जायजा लिया। ये किचन तीन एकड़ क्षेत्र में फैला है। इसमें पार्किंग भी है। यहां करीब 200 कर्मचारी काम करेंगे। स्कूलों में छात्रों की उपस्थिति के अनुसार ताजा और गर्म भोजन तैयार कर समय पर पहुंचाया जाएगा। इस किचन में बना मिड डे मील शहर के 11 ब्लॉकों के स्कूल में भेजा जाएगा। अक्षय पात्र किचन की नई व्यवस्था लागू होने के बाद स्कूलों में कार्यरत रसोइयों को भोजन तैयार करने की जिम्मेदारी नहीं रहेगी। एजेंसी की ओर से तैयार भोजन सीधे स्कूलों तक पहुंचाया जाएगा। इससे भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और पोषण मानकों का बेहतर ढंग से पालन किया जा सकेगा। इससे स्कूलों में भोजन बनाने में लगने वाला समय बचेगा। बच्चों को निर्धारित समय पर भोजन मिल सकेगा।

इस किचन में मशीनों से हर घंटे 40 हजार रोटियां बनाई जा सकेंगी, जबकि स्टीम तकनीक से मात्र 15 मिनट में 1200 किलो चावल पकाया जाएगा। तीन से चार घंटे के भीतर एक लाख बच्चों का भोजन तैयार हो जाएगा। यहां से स्कूलों तक भोजन पहुंचाने के लिए करीब 100 वाहनों की व्यवस्था की गई है।

नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत पर सीएम ने अधिकारियों और शिक्षकों से कहा कि कोई भी बच्चा स्कूल से वंचित न रहे। समय पर बैग, ड्रेस और जूते उपलब्ध कराएं। ऑपरेशन कायाकल्प, ऑपरेशन अलंकार, अभ्युदय कोचिंग, अटल टिंकरिंग लैब, स्मार्ट क्लास और डिजिटल लाइब्रेरी जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए सीएम ने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता में लगातार सुधार हुआ है। परीक्षा और रिजल्ट की प्रक्रिया भी पहले की तुलना में काफी तेज हुई है। योगी ने कहा कि किचन में हाईजीन का ध्यान कैसे रखा जाना चाहिए और भोजन में स्वच्छता का क्या महत्व है, पौष्टिक आहार बच्चों को मिले और उससे बच्चों को कुपोषण से दूर रखा जा सके, इसके लिए अक्षयपात्रा की ओर से केंद्रीयकृत किन संचालित किया जाता है। लखनऊ, वाराणसी, मथुरा, आगरा, कानपुर जैसे जिलों में यह किचन पहले से काम कर रहा है। अब गोरखपुर में भी बनकर तैयार हो गया है। इस सत्र में पहले 50 हजार बच्चों को, उसके बाद 1 लाख बच्चों को रोज यह फाउंडेशन अलग–अलग दिन के मेन्यू के हिसाब से उपलब्ध कराएगा। योगी ने कहा कि 9 साल में बेसिक शिक्षा परिषद ने काफी अच्छी प्रगति की है। माध्यमिक शिक्षा में नकल विहीन परीक्षा के माध्यम से बहुत से ऐसे उदाहरण पेश किए गए हैं, जिनमें शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखी गई है। ऑपरेशन अलंकार के माध्यम से भवन के सुदृढ़ीकरण के लिए धनराशि उपलब्ध कराई जाती है। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अभ्युदय कोचिंग की व्यवस्था की गई है। आज अटल टिंकरिंग लैब बन रही है। स्मार्ट क्लासेज बन रही है। डिजिटल लाइब्रेरी बन रही है। पहले जो परीक्षा लंबे समय तक चलती थी, आज वह 15 दिन में परीक्षा और इतने ही दिन में रिजल्ट आ रहा है। 11 महीने बच्चों को बेहतरीन पठन–पाठन देने में शिक्षा विभाग काम कर रहा है। योगी ने कहा कि शिक्षा जैसे होगी, समाज का वर्तमान और भविष्य वैसे ही होगा। बेसिक शिक्षा परिषद में ऑपरेशन कायाकल्प के माध्यम से बच्चों को तमाम तरह की सुविधाएं दी जा रही हैं। नए सत्र में बेसिक शिक्षा परिषद की कक्षाएं आज से शुरू हुई हैं। बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों और शिक्षकों से आह्वान करूंगा कि हर बच्चा स्कूल पहुंचे, कोई छूटने न पाए। उन्हें बैग, जूता, ड्रेस समय से मिल जाए। अभिभावकों से संवाद करें। योगी ने कहा कि भोजन तैयार करने से लेकर वितरण तक की व्यवस्था काफी अच्छी है। ये हर व्यक्ति के देखने और सीखने लायक है। खाने को कुछ भी खा लो, लेकिन वह स्वास्थ्य के लिए कितना अनुकूल है, कितना प्रतिकूल है, यह जानना बहुत जरूरी है। स्वच्छ और स्वास्थ्य का आपस में संबंध है। आहार स्वच्छ होगा तो मनुष्य स्वस्थ होगा। शारीरिक रूप से स्वस्थ होगा तो मानसिक रूप से भी स्वस्थ होगा। हम घर में हों या बाजार में, भोजन की गुणवत्ता को देखना है तो उसकी स्वच्छता से शुरुआत करो। यह किचन स्वच्छता का उदाहरण है। योगी ने कहा– जो एक लाख बच्चे रोज इस फाउंडेशन के सहयोग से मिड डे मील प्राप्त करेंगे, इसके लिए अक्षय पात्र फाउंडेशन बधाई का पात्र है। इससे बच्चे सुपोषण के लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। यही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विजन है। उसका स्वस्थ होना देश की समृद्धि का आधार बनेगा।

भाजपा ने अवधेश द्विवेदी को बनाया अवध क्षेत्र का अध्यक्ष

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। भाजपा ने लंबे इंतजार के बाद बृहस्पतिवार को प्रदेश संगठन के पदाधिकारियों की सूची जारी कर दी। भाजपा प्रदेश संगठन की नई सूची ने अंबेडकरनगर की राजनीति में लंबे समय से महसूस किए जा रहे एक खालीपन को भरने का काम किया है। कटेहरी विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी अवधेश द्विवेदी को अवध क्षेत्र का क्षेत्रीय अध्यक्ष बनाया गया है। मूलरूप से भीटी ब्लॉक क्षेत्र के दुबाने का पूरा गांव निवासी अवधेश द्विवेदी का राजनीतिक आधार कटेहरी विधानसभा क्षेत्र रहा है। इनके पिता स्व. जमुना प्रसाद द्विवेदी शिक्षक थे। अवधेश ने छात्र जीवन से राजनीति का ककहरा सीखना शुरू कर दिया था। पिछले एक दशक में उन्होंने लगातार चुनावी और संगठनात्मक राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाई। वर्ष 2017 में भाजपा और 2022 में एनडीए की सहयोगी निषाद पार्टी के प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़कर उन्होंने क्षेत्रीय राजनीति में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कटेहरी उपचुनाव में टिकट नहीं मिलने के बाद राजनीतिक गलियारों में कई तरह की चर्चाएं हुई थीं। समर्थकों की नाराजगी भी सामने आई थी, लेकिन इसके बाद भी अवधेश द्विवेदी संगठन से जुड़े रहे और सक्रिय भूमिका निभाते रहे।

रजिस्ट्री कार्य के निजीकरण के विरोध में बांसगांव में अधिवक्ताओं का प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

संवाददाता–गोरखपुर। रजिस्ट्री व्यवस्था के निजीकरण एवं ई–रजिस्ट्री लागू किए जाने के विरोध में गुरुवार को सिविल बार एसोसिएशन बांसगांव के अध्यक्ष यशवंत सिंह श्रीनेत के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने प्रदर्शन किया। इस दौरान अधिवक्ताओं ने सरकार विरोधी नारेबाजी करते हुए अपनी नाराजगी जताई।अधिवक्ताओं ने उपजिलाधिकारी प्रदीप सिंह तथा प्रभारी उपनिबंधक प्रभाकर चौधरी को ज्ञापन सौंपकर रजिस्ट्री के निजीकरण तथा ई–रजिस्ट्री व्यवस्था पर तत्काल रोक लगाए जाने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि रजिस्ट्री प्रक्रिया का निजीकरण किए जाने से आम जनता एवं अधिवक्ताओं के हित प्रभावित होंगे तथा पारदर्शिता एवं जवाबदेही पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।बार अध्यक्ष यशवंत सिंह श्रीनेत ने कहा कि अधिवक्ता समाज रजिस्ट्री के निजीकरण का पुरजोर विरोध करता है। यदि सरकार ने इस निर्णय पर पुनर्विचार नहीं किया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।इस अवसर पर बार के मंत्री विनोद गौतम, पूर्व मंत्री विनय सिंह,पवन पांडेय, एडवोकेट राणा प्रताप सिंह,निर्णय सिंह,श्रुतिकेश पांडेय,रामसेवक राय,प्रशांत सिंह, प्रवीश बिहारी श्रीवास्तव,आशीष सिंह,सुशील सिंह पट्टू सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

सहजनवा विधायक का आश्वासन, नहीं बंद होगा किसी के घर का रास्ता

संवाददाता–गोरखपुर। रेलवे स्टेशन की उत्तर तरफ बसे नागरिकों के लिए रास्ते की समस्या को लेकर गुरुवार को विधायक प्रदीप शुक्ला ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण कर जायजा लिया।विधायक ने आश्वासन दिया कि किसी भी नागरिक के घर का गेट बंद नहीं होगा। हम और सदर सांसद रेलवे के उच्चाधिकारियों से बात करके 15 फुट का रास्ता दिलाने का आश्वासन दिए।

सहजनवां नगर पंचायत के वार्ड नं–7 लुचुई सहजनवां रेलवे स्टेशन के उत्तर दिशा की तरफ सटे हुए है। वर्तमान में करीब दो सौ परिवारों को बाहर आने जाने के लिए रेलवे के किनारे की भूमि का उपयोग किया जाता है। दीवार चलने से इन सभी लोगों का रास्ता बंद हो रहा है। नागरिकों ने रेलवे का कार्य रूकवाकर सांसद रवि किशन , विधायक प्रदीप शुक्ला व रेलवे अधिकारियों को पत्र भेजकर समस्या से निजात दिलाने की मांग की थी।जिसपर मौके पर पहुचे विधायक से स्थानीय लोगों ने बताया 200 परिवारों के लिए आने–जाने का कोई वैकल्पिक मार्ग नहीं है। रेलवे के दीवार निर्माण से आवागमन की समस्या और गंभीर हो जाएगी। बच्चों की शिक्षा, बुजुर्गों की सुविधा, आपातकालीन सेवाओं तथा दैनिक जीवन के लिए मार्ग का होना अत्यंत आवश्यक है। लोगों ने मांग किया कि रेलवे विभाग द्वारा लुचुई रेलवे ओवरब्रिज के नीचे से लेकर जूट मिल तक 15 फीट चौड़ी सड़क बनाई जा जिससे सभी लोगों को एकल मार्ग मिल सके। यदि रेलवे ने बाउंड्री कर ली तो करीब सैकड़ो परिवारों के घरों का आवागमन पूरी तरह से बंद हो जाएगा। नागरिकों ने रेलवे के निर्माण कार्य को भी रोक दिया था।

नागरिकों ने मांग की है कि 15 फिट रास्ता दिए बिना बाउंड्री वॉल का निर्माण नहीं करने दिया जाएगा।विधायक ने आश्वासन दिया सदर सांसद के साथ रेलवे अधिकारियों से बात सभी नागरिकों को रास्ता दिलाया जायेगा। इस दौरान, समासद बृजेश यादव,मनोज सिंह,योगेश सिंह, रामसूरत गुप्ता, अनुपम भट्ट, अनूप सिंह, ज्ञान भट ,अभिषेक सिंह, मनु गुप्ता, प्रहालद सिंह, विशाल गुप्ता शेषनाथ , भगेलु, वीरेंद्र सिंह, बैजनाथ, दीनदयाल सहित अन्य उपस्थित रहे।

फिटनेस खत्म, फिर भी चल रहे स्कूल वाहन, डीएम ने कहा– ऐसे वाहनों पर कार्रवाई करें

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जिले में स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. ने उन सभी स्कूल वाहनों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है, जिनकी फिटनेस प्रमाणपत्र अवधि समाप्त हो चुकी है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि ऐसे सभी वाहन तत्काल परिवहन विभाग में प्रस्तुत कर फिटनेस प्रमाणपत्र प्राप्त करें। ऐसा न करने पर वाहन का चालान, निरुद्धीकरण और संबंधित विद्यालय प्रबंधन के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, उत्तर प्रदेश शासन के परिवहन विभाग के निर्देशों पर जिले में 1 अप्रैल से 15 अप्रैल 2026 तक स्कूली वाहनों के विरुद्ध एक विशेष अभियान चलाया गया था। इस अभियान के दौरान कई ऐसे विद्यालय वाहन चिह्नित किए गए जिनकी फिटनेस अवधि समाप्त हो चुकी थी या उनके आवश्यक अभिलेख पूरे नहीं थे। इसके बाद परिवहन विभाग ने संबंधित विद्यालयों को कई बार नोटिस भेजे, दूरभाष पर संपर्क किया और अधिकारियों ने व्यक्तिगत रूप से विद्यालयों में जाकर भी जानकारी दी। हालांकि, इसके बावजूद कई स्कूल प्रबंधन अपने वाहनों की फिटनेस कराने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं।

प्रशासन ने बताया कि स्कूल वाहनों की निगरानी अब तकनीकी माध्यमों से भी की जा रही है। उत्तर प्रदेश इंटीग्रेटेड स्कूल व्हीकल मॉनिटरिंग पोर्टल पर जिले के सभी विद्यालय वाहनों का विवरण उपलब्ध है। इस पोर्टल की निगरानी जिला स्तर के साथ–साथ शिक्षा विभाग, परिवहन विभाग और मुख्यालय स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा भी की जा रही है।

इन प्रयासों के बावजूद, कई विद्यालयों के वाहन अभी भी बिना वैध फिटनेस के पोर्टल पर दर्ज हैं, जो बच्चों की सुरक्षा के लिए एक गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है।

अधिकारियों का कहना है कि फिटनेस प्रमाणपत्र किसी भी वाहन की सड़क पर सुरक्षित संचालन की सबसे महत्वपूर्ण शर्त होती है। फिटनेस समाप्त होने के बाद वाहन के ब्रेक, टायर, स्टीयरिंग, लाइट, आपातकालीन निकास द्वार और अन्य सुरक्षा उपकरणों की नियमित जांच नहीं हो पाती, जिससे दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। स्कूली वाहनों में प्रतिदिन सैकड़ों बच्चे यात्रा करते हैं, इसलिए ऐसे मामलों में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने जिले के सभी विद्यालय संचालकों और प्रबंधकों को निर्देशित किया है कि वे अपने वाहनों के सभी अभिलेखों की जांच कर लें और जिन वाहनों की फिटनेस समाप्त हो चुकी है, उनका तत्काल नवीनीकरण कराएं। उन्होंने कहा कि यदि कोई फिटनेस समाप्त वाहन बच्चों को लेकर सड़क पर संचालित मिलता है तो उसके विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालान की कार्रवाई की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर वाहन को निरुद्ध भी किया जाएगा और संबंधित विद्यालय प्रबंधन के खिलाफ कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि विद्यार्थियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही या नियमों की अनदेखी करने वाले विद्यालयों को बख्शा नहीं जाएगा। आने वाले दिनों में परिवहन विभाग और प्रशासन की संयुक्त टीमों द्वारा स्कूल वाहनों की सघन जांच भी की जा सकती है। ऐसे में सभी विद्यालयों को समय रहते अपने वाहनों की फिटनेस और अन्य आवश्यक दस्तावेज दुरुस्त कराने के निर्देश दिए गए हैं।

चोरी की देशी शराब व नकदी के साथ आरोपित गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। चिल्हिया पुलिस ने गौरा बाजार स्थित देशी शराब की दुकान में हुई चोरी का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से एक पेटी देशी शराब, एक स्कैनरध्पास मशीन और एक हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

यह चोरी की घटना 21 जून की रात को हुई थी। अज्ञात चोरों ने गौरा बाजार स्थित देशी शराब की दुकान का ताला तोड़कर तीन पेटी देशी शराब और एक स्कैनरध्पास मशीन चुरा ली थी। शराब ठेकेदार की तहरीर पर चिल्हिया पुलिस ने मामला दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी थी।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के तहत बुधवार रात प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार गुप्ता अपनी टीम के साथ संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि चोरी की घटना में शामिल व्यक्ति मंझरिया और गौरा बाजार के बीच पुलिया के पास शराब लेकर जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने घेराबंदी कर आरोपी सिकंदर पुत्र दुक्की को गिरफ्तार कर लिया। सिकंदर चिल्हिया थानाक्षेत्र के गौरा बाजार का निवासी है। तलाशी के दौरान उसके पास से एक पेटी देशी शराब, एक स्कैनरध्पास मशीन और एक हजार रुपये नकद बरामद हुए।

पूछताछ में आरोपी सिकंदर ने चोरी की घटना को स्वीकार किया। उसने बताया कि चोरी की गई दो पेटी शराब वह पहले ही बेच चुका था और बची हुई शराब बेचने जा रहा था, तभी पुलिस के हत्थे चढ़ गया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक सुधाकर राय, विंध्याचल प्रसाद, मुख्य आरक्षी अमृत नायक, पंकज यादव और अभय सिंह शामिल थे।

टेंपो से टकराई बाइक, मासूम की मौत, माता–पिता घायल

संवाददाता–गोरखपुर। पीपीगंज क्षेत्र के चिवटहा जीरो प्वाइंट पर गुरुवार दोपहर हुए सड़क हादसे में बाइक पर सवार सात वर्षीय मासूम की मौत हो गई, जबकि उसके माता–पिता घायल हो गए। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। कैंपियरगंज थाना क्षेत्र के शिवपुर चौराहा निवासी जितेंद्र भुज अपने पुत्र शिवा और पत्नी गुंजा देवी के साथ किसी कार्य से गोरखपुर जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोपहर में जंगल कौड़िया क्षेत्र के चिवटहा जीरो प्वाइंट के पास टेंपो चालक ने अचानक इमरजेंसी ब्रेक लगा दिया। इससे पीछे चल रही बाइक अनियंत्रित होकर टेंपो से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक पर बैठा सात वर्षीय शिवा उछलकर टेंपो से जा टकराया।

वहीं बाइक चला रहे जितेंद्र भुज और उनकी पत्नी गुंजा देवी घायल हो गए।स्थानीय लोगों की सहायता से तीनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जंगल कौड़िया पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने शिवा को मृत घोषित कर दिया। वहीं माता–पिता को बेहतर उपचार के लिए बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। सूचना मिलने पर जंगल कौड़िया पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मासूम की मौत की खबर गांव पहुंचते ही परिवार में चीख–पुकार मच गई। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने बताया कि शिवा परिवार का इकलौता पुत्र था और उसकी असमय मौत से पूरे गांव में शोक का माहौल है।

एमजीयूमी में लिया गया नशामुक्त समाज बनाने का संकल्प

संवाददाता–गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूमी) में राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) के तत्वावधान में नशा मुक्ति शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नशा मुक्ति अभियान के नोडल अधिकारी के संयोजन में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प दिलाया गया।

मानचित्र समाधान दिवस में 34 पुराने लंबित प्रकरण निस्तारित, 48 लाख रुपये की आय

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) में गुरुवार को ऑनलाइन पोर्टल यूपी ओबीपीएएस एवं निवेश मित्र पोर्टल पर लंबित मानचित्र एवं शमन मानचित्रों के निस्तारण के लिए मानचित्र समाधान दिवस आयोजित हुआ। प्राधिकरण के राप्ती सभागार में सुबह 11 बजे से शाम चार बजे चले शिविर में 34 पुराने मामले निस्तारित हुए। ओएसडी प्रखर उत्तम की अध्यक्षता में चले शिविर में विभिन्न प्रकरणों से संबंधित कुल 43 आवेदकों ने अपनी समस्याएं रखीं। अधिकारियों ने सुनवाई करते हुए 34 पुराने लंबित मामलों का निस्तारण किया। साथ ही मानचित्रों में लगाई गई आपत्तियों का मौके पर समाधान कर 18 मानचित्र पत्रावलियों को तत्काल स्वीकृति प्रदान की गई।

इससे प्राधिकरण को लगभग 48 लाख रुपये की आय प्राप्त हुई। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अभिनव गोपाल ने निर्देश दिए कि मानचित्रों का निस्तारण न्यूनतम समय में किया जाए, ताकि लोगों को भवन मानचित्र स्वीकृत कराने में सुविधा मिल सके और विकास कार्यों को गति मिले। बता दें कि प्राधिकरण में प्रत्येक माह के द्वितीय एवं चतुर्थ गुरुवार को मानचित्र समाधान दिवस आयोजित किया जाएगा। प्राधिकरण ने ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन मानचित्र स्वीकृति के लिए आवेदन करने वाले आवेदकों से निर्धारित तिथि एवं समय पर अपने वास्तुविद् अथवा अभियंता के साथ उपस्थित होकर लंबित प्रकरणों का निस्तारण कराने की अपील की है।

अयोध्या पहुंचे केजरीवाल ने व्यक्त की गहरी चिंता, बोले– चोरी से मन बहुत व्यथित है

संवाददाता–अयोध्या। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल बृहस्पतिवार को अयोध्या पहुंचे। उन्होंने राम मंदिर से जुड़े कथित चोरी के मामले को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की। आरोप लगाया कि भगवान राम को चढ़ाए गए आभूषण, पादुका और अन्य बहुमूल्य वस्तुओं की चोरी हुई है।

केजरीवाल ने कहा कि इस घटना से उनका मन बेहद व्यथित है। वह भगवान राम के दर्शन करने के बाद इस विषय पर विस्तार से अपनी बात रखेंगे। मामले की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े किए। कहा कि बिना एफआईआर दर्ज किए एसआईटी का गठन किया जाना कानूनी प्रक्रिया के अनुरूप नहीं है।

उनका आरोप है कि जांच के नाम पर केवल लीपापोती की जा रही है। बड़े लोगों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की टिप्पणी से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि जांच रिपोर्ट के साथ आगे क्या होगा?

सरिया काटते समय कटर में उतरा करंट, मजदूर की मौत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज क्षेत्र के कूड़ी गांव में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को सदमे में डाल दिया। निर्माणाधीन मकान की छत के लिए सरिया काट रहे 43 वर्षीय अब्दुल बारी की करंट लगने से मौके पर ही मौत हो गई। हादसा उस वक्त हुआ जब लोहे की छड़ों को काटने के दौरान कटर मशीन में अचानक बिजली प्रवाहित हो गई।

जानकारी के मुताबिक अब्दुल बारी रोजी–रोटी के लिए मुंबई में मजदूरी करते थे और परिवार का भरण–पोषण करते थे। कुछ समय से वह गांव में रहकर अपने मकान का निर्माण करा रहे थे। अचानक हुए इस हादसे ने परिवार की उम्मीदों को झकझोर कर रख दिया।

मृतक अपने पीछे पत्नी नाजिमा खातून (45) और तीन बेटियों को छोड़ गए हैं। बड़ी बेटी शाहीन (19) है, जबकि जुड़वां बेटियां फातिमा (15) और आमिना (15) हैं। पिता की अचानक मौत से पूरा परिवार गहरे सदमे में है।

घटना के बाद कूड़ी गांव में शोक का माहौल है। ग्रामीणों ने हादसे को बेहद दुखद बताते हुए कहा कि निर्माण कार्यों के दौरान सुरक्षा उपकरणों की अनदेखी अक्सर ऐसे हादसों का कारण बनती है।

इस हादसे ने एक बार फिर निर्माण स्थलों पर बिजली उपकरणों के सुरक्षित उपयोग और तकनीकी जांच की जरूरत को उजागर कर दिया है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से ऐसे कार्यों में सुरक्षा मानकों को सख्ती से लागू कराने की मांग की है।

नाम सुधार सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम पहले महमूद अहमद MAHMOOD AHMAD था, लेकिन अब मैंने अपना नाम बदलकर MAHMOOD AHMED रख लिया है, भविष्य में मुझे मेरे सही नाम महमूद अहमद MAHMOOD AHMED से ही जाना व पहचाना जाए।

Mahmood Ahmed पुत्र Asgar Ali ग्राम व पोस्ट कोहरियावां, थाना दुधारा जनपद संत कबीर नगर उत्तर प्रदेश 272125

Mob: 8104152295

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, स्केटर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com